दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 30 | अंकः 225 | भोपाल, शनिवार 30 अगस्त 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

न्यूज. ब्रीफ

दो बच्चे के पेट से डॉक्टर ने निकले 10 चुंबक

फरीदाबाद। फरीदाबाद से मासूम बच्चों के माता-पिता को अलर्ट करने वाला और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर 3 और 4 साल के दो मासूम भाई-बहनों की जान तब खतरे में पड़ गई, जब उन्होंने खेल-खेल में खिलौनों के रूप में आने वाली कई छोटी-छोटी चुबंकों को निगल लिया। सबसे हैरानी की बात यह है कि इसकी जानकारी मम्मी-पापा को तब तक पता नहीं चला, जब तक कि दोनों बच्चों की तबीयत बुरी तरह बिगड़ी नहीं। एक बच्चे को जब लगातार उल्टियां और पेट दर्द होने लगा, तब परिजन अस्पताल पहुंचे, तब जाकर इस गड़बड़ी के बारे में पता लगा। अगले ही दिन बच्ची की तबीयत भी बिगड़ गई। जिसके बाद डॉक्टरों ने उनकी बिगड़ती हालत को देख 48 घंटों के अंदर दो सर्जरी कर जान बचाई।

राजस्थान में 55 साल की महिला ने 17वें बच्चे को दिया जन्म

जयपुर। दक्षिणी राजस्थान में चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां उदयपुर जिले के झाड़ोल गांव की एक 55 साल की महिला ने 17वें बच्चे को जन्म दिया है। इसके बाद राजस्थान स्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्र में जनसंख्या नियंत्रण से जुड़ी समस्याओं की जांच शुरू कर दी है। इस असाधारण मामले ने स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने, आदिवासी इलाकों में उच्च प्रजनन दर को नियंत्रित करने में आने वाली चुनौतियों की कलई खोल कर रख दी है। झाड़ोल की रहने वाली रेखा कालबेलिया ने एक स्थानीय अस्पताल में 17वें बच्चे को जन्म दिया, जिससे उसके परिवार में अब 24 सदस्य हो गए। हैरानी की बात है महिला का सबसे बड़ा बेटा 35 साल का है, जिसकी शादी हो चुकी है और उसके भी बच्चे हैं। इसके बाद महिला को पोते पोतियों ने बधाई दी।

सुप्रीम कोर्ट को मिले 2 नए जज

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर शपथ दिलाई। दोनों को 27 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया था। न्यायमूर्ति पंचोली न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची के सेवानिवृत्त होने के बाद अक्टूबर 2031 में सीजेआई बनने की कतार में है। निर्धारित वरिष्ठता क्रम के अनुसार वह तीन अक्टूबर, 2031 को प्रधान न्यायाधीश का पदभार ग्रहण करने वाले और 27 मई, 2033 को सेवानिवृत्त होने वाले है। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने 25 अगस्त को केंद्र सरकार को न्यायमूर्ति अराधे और न्यायमूर्ति पंचोली को न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की अनुशंसा की थी। हालांकि, कॉलेजियम की सदस्य और सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बी वी नागरत्ना ने न्यायमूर्ति पंचोली को शीर्ष अदालत में पदोन्नत करने की अनुशंसा पर कड़ी असहमति जताते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति न्यायपालिका के लिए प्रतिकूल होगी।

वोटर अधिकार यात्रा से भाजपा घबराई, हिंसा पर उतर आई - सचिन पायलट

गोपालगंज। शुक्रवार को बिहार के गोपालगंज शहर के गांधी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में राजस्थान के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने किन कारणों से यात्रा निकाली, सभी जानते हैं। वो बोले कि मुझे खुशी है कि आज समूचे देश में बिहार सहित पूरे देश के कोने-कोने में ये सवाल उठ रहे हैं कि इस देश की संवैधानिक संस्था, जो निष्पक्ष, स्वच्छ और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है, और लोकतंत्र की पूरी आस्था, उस संस्था से बंधी हुई है, जब वो संस्था संदेह के घेरे में आई और जब राहुल गांधी ने प्रमाण देकर उन सवालों के बारे में पूछा, देश दुनिया के सामने बताया, कर्नाटक का हवाला दिया तब सामने से कोई जवाब नहीं आया। जब ट्रांसपेरेंसी, एकाउंटेबिलिटी की परवाह किए बिना निर्वाचन आयोग ने पलटवार किया, जब लाखों वोटों की चोरी पकड़ी गई, वोटर लिस्ट में गड़बड़ी पकड़ी गई।

हिंसा का सहारा लेकर डराने-धमकाने का किया जा रहा है काम

शुक्रवार को पटना में कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पर हुए हिंसक घटनाक्रम के बारे में सचिन पायलट बोले कि आज एक हिंसा की वारदात हुई है, कांग्रेस मुख्यालय पर। यह बहुत निंदनीय है। इस तरह की हिंसा का सहारा लेकर जो डराने-धमकाने का काम किया जा रहा है, विपक्ष को, इसे कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह महात्मा गांधी की पार्टी है, कांग्रेस पार्टी और हमने हमेशा कहा है कि राजनीति में अभद्र भाषा का और हिंसा का कोई स्थान नहीं है, लेकिन जो घटनाक्रम हुआ पटना में, उसकी हम निंदा करते हैं, भर्त्सना करते हैं, और उम्मीद करते हैं कि सरकार अपनी नींद से जागेगी, इस प्रकार की घटनाओं को रोकेगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करेगी। इस संवाददाता सम्मेलन में राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा भी मौजूद थे और उन्होंने भी केंद्र और बिहार सरकार को आड़े हाथों लिया।

उनकी पार्टी सर्वसम्मति से इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेगी

- उद्धव ठाकरे ने कहा, नहीं पता धनखड़ ने अचानक इस्तीफा क्यों दिया

मुंबई। 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले, शिवसेना प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी सर्वसम्मति से इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेगी। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी को अभी भी पता नहीं है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा क्यों दिया। आगामी चुनाव देश के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हमें उपराष्ट्रपति पद की गरिमा बनाए रखने के लिए मतदान करना होगा। हमें उस पद के लिए एक उपयुक्त व्यक्ति की जरुरत है। हमें नहीं पता कि धनखड़ जी को क्या हुआ कि उन्हें अचानक इस्तीफा देना पड़ा। इंडिया ब्लॉक ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार चुना है। एक दिन पहले, वीसीके के संस्थापक अध्यक्ष थोल थिरुमावलवन ने उपराष्ट्रपति धनखड़ को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि इस कदम से देश में संकट पैदा हुआ है। उन्होंने विपक्षी दलों के सभी सांसदों से इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को वोट देने का भी आग्रह किया।

भाजपा ने विपक्ष पर साधा निशाना

मराठा आरक्षण पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे की चुप्पी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई ने विपक्ष के महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन पर मराठा आरक्षण के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। भाजपा के प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने कहा कि जब एमवीए सत्ता में थी, तब उन्होंने मराठा समुदाय की मांगों की अनदेखी की। बीजेपी प्रवक्ता उपाध्ये ने विशेष रूप से एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, और कांग्रेस पर निशाना साधा।

मनोज जरांगे का आंदोलन

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे हजारों समर्थकों के साथ शुक्रवार को मुंबई के आजाद मैदान पहुंचे। उन्होंने अनशन शुरू करते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तरफ से सहयोग की कमी के कारण उन्हें मुंबई तक मार्च करना पड़ा। जरांगे ने अपने समर्थकों से शांति बनाए रखने और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे समुदाय की छवि खराब हो।

स्वर्गीय मां के लिए अपशब्द

जरा भी शर्म बची हो राहुल गांधी में, पीएम मोदी और जनता से माफी मांग लें - केंद्रीय मंत्री शाह

असम। बिहार में विपक्षी गठबंधन के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी में जरा भी शर्म बची है, तब उन्हें इसके लिए पीएम मोदी और जनता से माफी मांगनी चाहिए। इतना ही नहीं केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा को घुसपैठिया बचाओ यात्रा बता दिया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस प्रकार से घृणा और तिरस्कार की नकारात्मक राजनीति की शुरूआत की है, उसका एक निम्न स्तर का प्रदर्शन उनकी घुसपैठिया बचाओ यात्रा में देखने को मिला। बिहार में उन्होंने जो घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली है, उसमें राहुल गांधी के स्वागत मंच से पीएम मोदी की स्वर्गीय मां के लिए अपशब्द बोलकर कांग्रेस पार्टी ने सबसे घृणित काम किया है। मैं पीएम मोदी और उनकी मां के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अपशब्दों की निंदा करता हूं। मैं पूरे देश की जनता से भी कहना चाहता हूं कि जिस प्रकार से राहुल गांधी ने घृणा, नकारात्मक और मुद्दाविहीन राजनीति की शुरूआत की है, वहां हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मणिशंकर अय्यर सहित कई नेताओं ने पीएम मोदी के लिए अपशब्द कहे। इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल करके क्या आपको जनादेश मिलेगा? मैं आज कांग्रेस के नेताओं से कहना चाहता हूं कि जितना ज्यादा पीएम मोदी के लिए अपशब्द कहते हो, कमल का फूल उतना ही ज्यादा खिलेगा। हर चुनाव में आपने प्रयास करके देखा है, फिर भी कुछ सीखना नहीं चाहते हैं। हर चुनाव में अपशब्द कहते हैं और मुंह की खाते हैं। इसके बाद विजय को झूठलाने के लिए ये लोग घुसपैठिए बचाओ यात्रा लेकर निकले हैं। ये यात्रा (वोटर अधिकार यात्रा) सिर्फ घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली जा रही है। बता दें कि दरभंगा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकताओं ने मंच से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हालांकि, उस समय राहुल गांधी और तेजस्वी यादव मौजूद नहीं थे, लेकिन इस घटना पर सभी राजनीतिक दलों और नेताओं ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

बिहार में महिलाओं को मिलेंगे 10 हजार, नीतीश कैबिनेट से मिली मंजूरी

सरकार शुरू कर रही मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से सीएम नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। नीतीश सरकार चुनाव से पहले हर परिवार की एक महिला को 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देगी। सितंबर 2025 में यह राशि खातों में ट्रांसफर की जाएगी। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू की है। इस योजना को नीतीश कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को रोजगार के लिए कुल दो लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। पहली किस्त के रूप में महिलाओं को 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। सीएम नीतीश कुमार ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिला सशक्तीकरण के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। अब महिलाएं अपनी मेहनत से न केवल बिहार की प्रगति में अपना योगदान दे रही हैं बल्कि वे अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। इसी मिशन को आगे बढ़ाते हुए हम लोगों ने महिलाओं के हित में अब एक अहम एवं अभूतपूर्व निर्णय लिया है जिसके सकारात्मक दूरगामी परिणाम होंगे। सीएम नीतीश ने बताया कि कैबिनेट बैठक में महिलाओं के रोजगार के लिए नई योजना मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की स्वीकृति दी गई। इस योजना का मुख्य लक्ष्य राज्य के सभी परिवारों की एक महिला को उनकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता देना है। इसके लिए इच्छुक महिलाओं से आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। संभावना है विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर भी कर दिए जाएंगे।

जिस पर भगवान की छत्रछाया हो उसका कोई बाल भी वांका नहीं कर सकता

मारने वाला है भगवान बचाने वाला है भगवान

18 कचरा वाहन में मिली नवजात बच्ची, अस्पताल में कराया गया भर्ती इलाज जारी

रायसेन/बरेली। बच्चों की खातिर लोग दर दर की ठोकरे खातें हैं और कहीं मन्नत मानते हैं तो कहीं जगह जाकर गोद भराई और बच्चा होने के लिए ईश्वर से लाखों विनती करते हैं। वही जिनके बच्चे हो रहे हैं वह गलत कदम उठाकर मरने के लिए छोड़ देते हैं जिससे समाज तो शर्मशार होता ही है वही मानवता भी बिल्कुल निचले स्तर पर शर्मसार पहुंच जाती है। बिल्कुल भी ऐसे मां और बाप को कोई हक नहीं है कि आप किसी नवजात को ऐसी हालत में मरने के लिए छोड़ दो। अगर आपने उसको जीवन दे दिया है तो कम से कम किसी के भरोसे पालने ही छोड़ सकते हैं। कहते हैं मारने वाले से बचाने वाला ही बड़ा होता है जिस पर भगवान की छत्रछाया हो उसका कोई बाल भी वांका नहीं कर सकता ऐसा ही एक मामला रायसेन जिले के जिले के बरेली में कचरा वाहन में नवजात मिली है। शुक्रवार सुबह वाहन के हेल्पर को गाड़ी के अंदर से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी।

राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने लिखा

नहीं पालना तो हमको दे दो। पर मानवता को शर्मसार न करो। बरेली में जो आज घटना सामने आई है, उससे मन बहुत द्रवित है, शर्मसार है। नवजात बिटिया को कचरा गाड़ी में क्यों फेंका ? इसके पीछे विभिन्न कारण हो सकते हैं। परंतु जो भी हो, ईश्वर ने जिसको जन्म दिया है उसको पूरा जीवन जीने का अधिकार है। जैविक माता पिता पालना चाहें या न रखना चाहें पर समाज व शासन की जिम्मेदारी है। हम अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे। क्षेत्र का जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरा सभी से अनुरोध है कि यदि ऐसी स्थिति हो तो मुझे पूर्व से ही अवगत करा दें, सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से नवजात के पुनर्वास की व्यवस्था करेंगे तथा विधि का पालन करते हुए मातापिता की पहचान भी गोपनीय रखेंगे।

ट्रंप के मुंह पर तमाचा

7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी भारत की जीडीपी

मुंबई। भारत और अमेरिका के बीच चल रहे टैरिफ वार के बीच एक बहुत अच्छी खबर आई है। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के दौरान जीडीपी 7.8 प्रतिशत रही है। जो कि जानकारों के अनुमान से कहीं अधिक रही है। यह आंकड़े एनएसओ की ओर से जारी किए गए हैं। विशेषज्ञ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुमान 6.5 प्रतिशत के आस-पास जीडीपी के रहने की उम्मीद जता रहे थे। लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था ने चौंका दिया है। बीते वित्त वर्ष इसी तिमाही में जीडीपी 15 महीने के न्यूनतम स्तर पर लुढ़कते हुए 6.7 प्रतिशत पहुंच गई थी। एनएसओ के डाटा के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में रियल जीडीपी 7.8 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ी है। वित्त वर्ष 2024-25 में ग्रोथ रेट 6.5 प्रतिशत थी। नॉमिनल जीडीपी पहली तिमाही में 8.8 प्रतिशत रहा है। कृषि क्षेत्र चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान 3.7 प्रतिशत की ग्रोथ रेट हासिल करने में कामयाब रहा है। बीते वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 1.5 प्रतिशत की ग्रोथ रेट से आगे बढ़ रहा था। वहीं, माइनिंग सेक्टर ने पहले क्वार्टर में निराश किया है। इस दौरान माइनिंग सेक्टर में 3.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि बीते वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह सेक्टर 6.6 प्रतिशत की ग्रोथ रेट से आगे बढ़ रहा था। सेकेंड्री सेक्टर मैन्युफैक्चरिंग और इलेक्ट्रिकसिटी इंडस्ट्रीज की ग्रोथ रेट सालाना आधार पर 7 प्रतिशत रही है। बीते वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सेकेंड्री सेक्टर की ग्रोथ रेट 8.6 प्रतिशत थी। ट्रेड होटल्स, ट्रांसपोर्ट, कम्युनिकेशंस और सर्विसेज से सम्बंधित बिजनेस 8.6 प्रतिशत की ग्रोथ से बढ़ा है। वित्त वर्ष 25 में इसकी ग्रोथ रेट 5.4 प्रतिशत थी। बता दें, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ रेट मामूली रूप से बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 7.6 प्रतिशत थी। साल दर साल आधार पर पूंजीगत व्यय 52 प्रतिशत बढ़ा है। कंस्ट्रक्शन और एग्रीकल्चर सेक्टर ने दमदार प्रदर्शन किया है।

सरकार भारत को खेल उत्कृष्टता का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध

पीएम मोदी ने हॉकी के जादूगर मेयर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पिछले दशक में भारत के खेल परिदृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है और उनकी सरकार खिलाड़ियों को सहायता देने, बुनियादी ढांचे के निर्माण और भारत को खेल उत्कृष्टता का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर बधाई। इस विशेष अवसर पर हम मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनकी उत्कृष्टता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत के खेल परिदृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पीएम ने कहा कि युवा प्रतिभाओं को तराशने वाले जमीनी स्तर के कार्यक्रमों से लेकर विश्वस्तरीय सुविधाओं के निर्माण तक हम देश में एक जीवंत खेल पारिस्थितिकी तंत्र देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार खिलाड़ियों को सहयोग देने, बुनियादी ढांचे के निर्माण और भारत को खेल उत्कृष्टता का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा था कि यह बेहद खुशी की बात है कि बिहार पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 की मेजबानी कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह टूनार्मेंट रोमांचक मैचों, असाधारण प्रतिभा के प्रदर्शन और यादगार क्षणों से भरपूर होगा जो भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। मोदी ने कहा कि शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल दिवस और मेजर ध्यानचंद की जयंती भी है और इसी दिन बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 शुरू हो रहा है। उन्होंने एक्स पर कहा कि मैं एशिया कप में भाग लेने वाली सभी टीमों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और समर्थकों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं दीं। योगी ने एक्स पर लिखा- हॉकी के जादूगर, मेजर ध्यानचंद की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि एवं सभी युवा साथियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की अनंत शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन अनुशासन, समर्पण और खेल-कौशल की प्रेरणा है। सीएम योगी ने आह्वान किया, ह्यह्यआइए, खेल संस्कृति को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण हेतु संकल्पित हों।

बिहार एसआईआर को लेकर स्टालिन का आरोप, ऐसी प्रक्रिया तमिलनाडु में नहीं होनी चाहिए

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रक्रिया तमिलनाडु में नहीं होनी चाहिए, और लोगों को बिहार की स्थिति के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सीएम स्टालिन ने इस विरोध में विपक्षी इंडिया ब्लॉक का समर्थन किया है। उनका तर्क है कि एसआईआर से समाज का एक बड़ा वर्ग मताधिकार से वंचित होगा। वह हाल ही में राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा में भाग लेने के लिए बिहार गए थे, जहाँ उन्होंने तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य जैसे अन्य नेताओं के साथ मंच साझा किया था। स्टालिन ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को एक कठपुतली बताया है। उन्होंने भाजपा पर चुनाव आयोग को रिमोट कंट्रोल से चलाने और बिहार के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव निष्पक्ष हो जाएं तब एनडीए हार जाएगा। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने वोट चोरी का आरोप लगाया है। स्टालिन ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा कि भाजपा उन पर हमला कर रही है क्योंकि उन्होंने चुनावों को मजाक बनाने के भाजपा के प्रयासों को उजागर कर दिया है।

महाकुंभ में क्यों नहीं पहुंचे संघ प्रमुख, खुद बता दी वजह

नई दिल्ली। साल 2025 की शुरूआत में प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ में करोड़ों भक्तों ने संगम में स्नान किया। इसमें राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक शामिल थे, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत महाकुंभ में स्नान के लिए नहीं पहुंचे। तब लोगों ने सवाल भी किया कि आखिर भागवत महाकुंभ क्यों नहीं पहुंचे। अब आरएसएस प्रमुख ने खुद इसकी वजह बता दी है। उन्होंने कहा है कि हम लोगों को जहां बताया जाता है, वहां जाते हैं। हमें कहा गया था कि वहां बहुत भीड़ होगी। वहां संघ के लोग थे और कोलकाता में संगम का जल मंगवाकर स्नान किया था। आरएसएस के 100 साल पूरे होने पर एक कार्यक्रम के अंतिम दिन भागवत से सवाल किया गया, पूरा भारत कुंभ में उमड़ा, लेकिन आप इससे दूर रहे, ऐसा क्यों? इस पर संघ प्रमुख ने कहा, ऐसा इसलिए, क्योंकि हम लोगों को जहां बताया जाता है, वहां जाते हैं। मैं यहां इसलिए हूं और आपसे बात कर रहा हूं, क्योंकि हमारे लोगों ने तय किया कि यहां कार्यक्रम होना है और आपको बोलना है। मैंने कहा कि पिछली बार मैंने बोला था तब किसी अन्य लोगों से कहो। लेकिन वे नहीं माने, तब मुझे करना पड़ा। इसतरह महाकुंभ में मैंने डेट निकाली थी आने की। वहां हमारे सभी अधिकारी गए थे। वहां संघ था, लेकिन मैं नहीं था। क्योंकि मुझे बताया गया कि उस समय बहुत भीड़ रहेगी। उन्होंने कहा, अन्य कार्यक्रम जो आगे-पीछे तारीख में हैं, उसमें डिस्टर्ब हो सकता है, आप मत आइए। मैंने कहा कि पुण्य सबलोग ले रहे हैं, मुझे आप वंचित कर रहे हो। करीब मुझे पानी भेज दो कोलकाता में।

संपादकीय

दहेज के लिए महिलाओं की हत्या एक अफसोसनाक हकीकत

आधुनिक और शिक्षित माने जाने वाले समाज में अगर दहेज और इसकी वजह से होने वाली हत्या के मामले एक गंभीर समस्या के रूप में आज भी कायम हैं, तो यह सोचने की जरूरत है कि हमारे विकास की दिशा क्या रही है और इसका हासिल क्या है। यों, देश भर से दहेज के लिए किसी महिला की हत्या कर देने या उसे भयानक स्तर पर प्रताड़ित करने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। मगर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले से दहेज हत्या का जैसा मामला सामने आया है, वह बताता है कि आज भी कुछ लोग किस तरह की संकीर्णता, जड़ता और पिछड़े मानस से ग्रस्त है और लोभ में कितने अमानुष और क्रूर हो जा सकते हैं। गौरतलब है कि सिरसा गांव में एक महिला को उसका पति और ससुराल के अन्य लोग लगातार दहेज की मांग करते हुए प्रताड़ित करते थे, जबकि महिला के मायके से ज्यादातर मांग पूरी की गई। मगर जब व्यक्ति पर बेलगाम लालच हावी हो जाता है, तब उसके क्रूर हो जाने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। छत्तीस लाख रुपए की नई मांग आखिरकार इस नतीजे तक पहुंची कि महिला को उसके पति ने यातना देते हुए जिंदा जला कर मार डाला।

यह घटना एक बार फिर बताती है कि अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों और विकास के दावों के बीच समाज में परंपरा के नाम पर ऐसी क्रूरताएं पल-बढ़ रही हैं, जिनका शिकार आए दिन महिलाएं हो रही हैं। सवाल है कि दहेज के खिलाफ बने सख्त कानून के बावजूद एक व्यक्ति कैसे यह साहस कर पाता है कि वह न केवल विवाह में दहेज की ऊंची मांग पूरी करवाता है, बल्कि शादी के बाद भी लगातार धन या सामान की मांग करते हुए वधू को प्रताड़ित करता है और कभी मार भी डालता है। ऐसा लगता है कि न तो कानून को अमल में लाने के लिए सरकार की ओर से पर्याप्त संजीदगी बरती जाती है, न ही दहेज के लिए वधू को यातना देने वालों को इस कानून का कोई खौफ सताता है। इसकी वजह इस हकीकत में छिपी है, जिनमें दहेज उत्पीड़न या हत्या के मामले अगर अदालतों में पहुंचते भी हैं, तो मुकदमे की सुनवाई वर्षों तक खिंचती चली जाती है और फिर ऐसे मामलों में सजा की दर काफी कम है।जाहिर है, दहेज के लिए महिलाओं की हत्या एक अफसोसनाक हकीकत है और इसे रोकने के तरीके अब तक कारगर नहीं रहे हैं। हालांकि एक धारणा यह फैलाई जाती रही है कि दहेज के बहुत सारे मामलों में इससे संबंधित कानून का दुरुपयोग किया जाता है और नाहक ही पति और उसके परिवार को फंसाने की कोशिश की जाती है।

संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन-जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं।

संघ प्रमुख के व्याख्यान से साफ होगी वैचारिक तस्वीर

(उमेश चतुर्वेदी)

संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संवाद और शास्त्रार्थ की परंपरा वाले देश में हाल के दिनों में सार्वजनिक चर्चाओं की गुंजाइश लगातार कम हुई है। इसे कभी असहिष्णुता तो तभी दूसरे विचार की उपेक्षा के तौर पर देखा गया है। देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद प्रधानमंत्री तक से शिकायत है कि संवाद नहीं रहा। ऐसे माहौल में अगर देश का पुराना संगठन और उसका प्रमुख खुद संवाद के लिए आगे आता है तो उसका भी स्वागत होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन राव भागवत की दिल्ली में होने जा रहे संवाद कार्यक्रम के जरिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खुद पर उठने वाले सामाजिक और राजनीतिक सवालों के साथ ही आक्षेपित आरोपों पर जवाब देने की तैयारी है। इस कार्यक्रम के लिए राजनीतिक दलों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है, देखना है कि कितने दलों के लोग इसमें शामिल होते हैं।

संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संघ से जो जुड़े हैं, जो उसके कार्यकर्ता हैं, जो स्वयंसेवक हैं, वे जानते हैं कि संघ है क्या, संघ की सोच क्या है और संघ किन विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। बहरहाल साल 2018 का वह आयोजन सिर्फ दिल्ली में हुआ था। संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन-जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं।

किसी संगठन का सौ साल पूरा कर लेना मामूली बात नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में समाज के हर वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मोहन राव भागवत के इस शताब्दी व्याख्यान के लिए गंभीर तैयारियां की हैं। संघ ने आगंतुकों के लिए 17 श्रेणियां और 138 उप-श्रेणियां बनाई हैं।

संघ सर्वदा यह जताने की कोशिश करता रहा है कि उसकी सोच, उसका विचार अन्य लोगों से अलग नहीं है। संघ को उसके विरोधियों ने भले ही कभी अछूत तो कभी सांप्रदायिक कहने की कोशिश की हो, लेकिन संघ ने उनके प्रति भी कभी वैमनस्यबोध नहीं रखा और ना ही उनके साथ कोई छुआछूत की भावना रखी। संघ के कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभवों से गुजरते हुए पता चला है कि उन्हें विरोधी राजनीतिक विचारधारा वाले नेताओं और बड़ी हस्तियों तक से मिलने, साथ चाय-पानी करने, भोजन करने, सहयोग करने-कराने तक का अवसर मिला है। संघ जरूर एक बात पर जोर देता है कि उसकी सोच भारत की स्थापित और मूल्यवान परंपराओं से प्रभावित है। संघ भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में गहराई से विश्वास करता है, इसीलिए वह हर भारतीय मे हिंदुत्व के मूल को देखने-समझने की कोशिश करता रहा है।

संघ पर गांधी जी को लेकर कई मिथ्या आरोप लगते रहे हैं। लेकिन सच यह भी है कि गांधी जी संघ के वर्ग को देखने गए थे। 27 सितंबर 1947 के हरिजन के अंक में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1936 में वर्धा के पास लगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गांधी जी गए थे। उसके अगले दिन गांधी जी के वर्धा स्थित तत्कालीन निवास पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भेंट की थी। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख के कल से होने वाले व्याख्यान में एक बार फिर इसकी चर्चा हो सकती है। चूंकि संघ का दृष्टिकोण राष्ट्र की प्रगति के लिए सभी के साथ मिलकर काम करना है। लिहाजा संघ के इस व्याख्यान का एक उद्देश्य यह भी है कि वह अपनी सौ साल की विकास यात्रा में समूचे देश के साथ जुड़े और समूचा देश एक साथ आगे बढ़ता रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पंच परिवर्तन के सिद्धांत स्वीकार रखा है और इन्हीं बिंदुओं पर समाज के बीच काम कर रहा है। संघ के पंच परिवर्तन का पहला बिंदु है, ससामाजिक समरसता। इसके तहत संघ और उसके असंख्य कार्यकर्ता लगातार समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सौहार्द और प्रेम बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम कर रहे हैं। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है कुटुम्ब प्रबोधन, जिसके तहत संघ की कोशिश राष्ट्र के विकास में परिवार को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इकाई के रूप में संवर्धित करने के प्रयासों में लगातार जुटा है। पंच परिवर्तन के तीसरे बिंदु पर्यावरण संरक्षण के तहत संघ पृथ्वी को माता तो मानता ही, इसी आधार पर पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार सक्रिय रहता है और अपने स्वयंसेवकों के साथ ही समाज से ही आशा करता है कि वह भी ऐसा ही करे। पंच परिवर्तन के चौथे बिंदु स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के तहत संघ अपने विभिन्न सहयोगी संगठनों और प्रकल्पों के माध्यम से लगातार देश की स्वदेशी अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रहा है। पंच परिवर्तन के पांचवें बिंदु नागरिक कर्तव्य के तहत संघ की कोशिश देश के हर नागरिक की वैचारिकी को इस तरह स्थापित करना है कि वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी कर सके और इस तरह राष्ट्रहित में अपना अप्रतिम योगदान दे सके। ऐसा कहा जा रहा है कि मोहन भागवत के इस व्याख्यान में इस बार इन पंच परिवर्तन के बिंदुओं पर जोर रहेगा और इसके तहत लोगों के बीच संघ अपनी बात, अपनी सोच और अपनी वैचारिकी को ना सिर्फ स्थापित करने की कोशिश करेगा, बल्कि इसके जरिए राष्ट्रहित में अपना अन्यतम योगदान दे सकेगा। संघ को लेकर एक वैचारिकी को स्थापित किया गया है कि वह अल्पसंख्यक विरोधी है। लेकिन यह सोच भी एकांगी है। संघ हर उस विचार और सोच का विरोधी है, जो भारतीयता या राष्ट्र का विरोधी है। संघ ना तो अल्पसंख्यक विरोधी है और ना ही समाज में ऊंचनीच का भाव बढ़ाने की कोशिश करता है। साल 2018 के व्याख्यान में मोहन राव भागवत ने इसे बखूबी रेखांकित करके संघ के दामन पर लगे मिथ्या आरोपों की दाग को साफ करने की कोशिश की थी। माना जा रहा है कि इस बार के व्याख्यान में संघ प्रमुख इस बारे में अपनी राय और गंभीरता से रखते हुए संघ के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे।

साल 2018 में सरसंघचालक भागवत ने भविष्य का भारत विषय पर व्याख्यान दिया था। तब उन्होंने समलैंगिकता, गौरक्षकों को लेकर उठ रही आवाजों, आरक्षण, अंतर्जातीय विवाह और जनसंख्या नीति जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर आरएसएस के रुख को स्पष्ट किया। इन बिंदुओं पर व्याख्यान संघ की स्थिति को स्पष्ट करने, आलोचनाओं का प्रतिकार करने और इस बात पर जोर देने के लिए एक अभियान का हिस्सा थे कि हिंदुत्व के बारे में उनका दृष्टिकोण क्या है। उस व्याख्यान में संघ प्रमुख ने संघ के दूसरे प्रमुख गुरू गोलवलकर की चर्चित पुस्तक 'ब्रंच ऑफ थॉट' पर उठने वाले सवालों का जवाब भी दिया था। तब उन्होंने कहा था कि संघ ऐसा संगठन नहीं है, जो एक ही विचार पर ठहरा रहे। दूसरे शब्दों में कहें तो संघ गतिशील संगठन है। हां, उसका मूल भारत, भारतीयता, भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व है। लेकिन इसका मतलब नहीं है कि वह ठस्स विचारों पर अपनी सोच को अटकाए रखे। समय और स्थिति के लिहाज से उसकी वैचारिकी में भी गतिशीलता रहती है। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख इस बार भी ऐसी कोई गतिशील सोच और वैचारिकी को प्रस्तुत कर सकते हैं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आरएसएस के 100 साल: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हिंदुत्व क्या है?

(सुधांशु माहेश्वरी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हिंदुत्व को लेकर एक अलग ही विचारधारा है, उसने हिंदू राष्ट्र की बात कही है, लेकिन उसकी परिभाषा कुछ अलग है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। 15 अगस्त को पीएम मोदी ने अपने संबोधन में ऋस्स को दुनिया का सबसे बड़ा हलह बताया था। मगर दुनिया में शायद ही कोई ऐसा दूसरा एनजीओ हो जिसके दो पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को भारत जैसे विशाल देश का प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला हो। आरएसएस खुद को एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन मानता है, लेकिन भारतीय राजनीति में उसके असर की चर्चा देश-दुनिया में होती रहती है। राजनीति हो या संस्कृति, आरएसएस से जुड़े हर विमर्श के केन्द्र में होता है- हिन्दुत्व। आखिर क्या है ये हिन्दुत्व? क्या है आरएसएस की हिन्दुत्व की परिभाषा? भारतीय राजनीति में हिन्दुत्व की एंट्री कब और कैसे हुई? जनसत्ता विशेष की खास सीरीज 'आरएसएस के 100 साल' के पहले अंक में हम आपको इन्हीं सवालों के जवाब देंगे।

आरएसएस के लिए हिंदुत्व का क्या मतलब है, यह जानने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि हिंदुत्व का शाब्दिक अर्थ क्या होता है। बाबू श्याम सुंदर दास द्वारा संपादित हिंदी शब्दसागर में हिंदुत्व का अर्थ खोजने पर इसका मतलब आता है- हिंदू का भाव या फिर हिंदूपन। लेकिन यह तो हुआ हिन्दुत्व का डिक्शनरी मीनिंग। अब हिंदुत्व अपने शाब्दिक अर्थ तक सीमित नहीं रह गया है। इसके राजनीतिक और सामाजिक मतलब भी हैं।

इतिहासकारों के मुताबिक हिंदुत्व शब्द का सबसे पहले इस्तेमाल बंगाली साहित्यकार ने किया था। उनका नाम था- चंद्रनाथ बसु। उन्होंने किताब लिखी थी- हिंदुत्व- हिंदूर प्राकृत इतिहास। 1892 में लिखी गई इस किताब ने कहा था कि मानवता के जरिए ही आप देवताओं तक पहुंच सकते हैं। बसु मानते थे कि जो हिंदू समाज है, असल में वही आध्यात्मिक चेतना पा सकता है। अब बसु ने हिंदुत्व की जो परिभाषा बताई थी, वो राजनीतिक नहीं थी, लेकिन आगे चलकर हिंदुत्व का राजनीतिकरण हुआ और इसके मायने भी बदलते गए।

जानकारों की माने तो वीर सावरकर ने सबसे पहले हिंदुत्व का सियासी मतलब बताया था। वे कहते हैं- मेरे लिए हिंदू वही शख्स है जिसकी पितृभूमि और पुण्यभूमि एक है। यहां भी सावरकर जब पुण्यभूमि की बात करते थे। उनका धार्मिक से ज्यादा सांस्कृतिक मतलब था। अब यहां तक चर्चा में आरएसएस नहीं आई थी, लेकिन फिर 1925 में डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने ऋस्स की स्थापना की और हिंदुत्व के मायने बदल गए।

वॉल्टर के एंडरसन की किताब में भी हेडगेवार की हिंदुत्व परिभाषा बताई गई है। हेडगेवार ने कहा था कि जो भी इस भारत भूमि में रहता है, वो हमारे लिए हिंदू है। हमारे लिए दूसरे धर्म के वो लोग भी हिंदू हैं जो हिंदू मान्यताओं को मानेंगे। हेडगेवार तो मानते थे कि भारत में हर कोई रह सकता है, लेकिन उन्हें इस बात का अहसास जरूर रहना चाहिए कि वे उस हिंदुस्तान में रह रहे हैं जो हिंदुओ का है।

आरएसएस की अगर वेबसाइट का भी हम रुख करेंगे वहां भी हिंदुत्व को लेकर हेडगेवार के विचार स्पष्ट होते हैं। ये भी पता चलता है कि संघ का असल उदेश्य है क्या। हेडगेवार का एक क्यूटे कहता है- हिंदुस्तान की रक्षा तभी हो सकती है जब हिंदू संस्कृति को बचाया जाएगा अगर हिंदू संस्कृति ही खत्म हो गई तो सिर्फ भौगोलिक इलाके को हिंदुस्तान बोलने का कोई मतलब नहीं।

अब हेडगेवार कहने को संघ के संस्थापक थे। उन्होंने भी हिंदुत्व का अपना मतलब समझाया। लेकिन फिर भी इस मामले में ज्यादा श्रेय एम एस गोलवलकर को दिया जाता है। गोलवोलकर ने कहा था कि सभी हिंदुओं को एक समान समझना चाहिए, सभी से प्यार करना चाहिए। हीन भावना कहीं नहीं होनी चाहिए।

गोलवलकर की विचारधारा के बारे में कुछ दूसरी किताबों से भी जानकारी मिलती है.उनकी एक किताब है- वी आर अवर नेशनहुड डिफांड इसमें हिंदुत्व को लेकर तो काफी स्पष्टता से बताया ही गया है। गोलवलकर ने राष्ट्रवाद को लेकर भी बड़ी बातें कही हैं। उनका मानना था कि खून का एक-एक कतरा देश के लिए समर्पित होना चाहिए। वे हिंदुत्व की बात तो करते थे, लेकिन ये भी कहते थे कि बात जब देश सेवा की आए तो जाति-धर्म बीच में नहीं आ सकते। अब आज का आरएसएस हिंदुत्व की बात तो करता है, लेकिन वो राष्ट्रवाद को साथ लेकर चलता है।

मोहन भागवत ने कई मौकों पर एक ऐसे हिंदुत्व की बात की है जहां पर सभी धर्मों को जगह दी गई, जहां पर विविधता पर जोर रहा। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि आरएसएस का एक ही उदेश्य है- वो पूरे हिंदू समाज को एकजुट करना चाहता है, हिंदू समाज ही जिम्मेदार समाज है, जो लोग इस बात को नहीं समझ पाए, वो अलग हो गए। उन्होंने अपना अलग देश बना लिया। अब अगर भावगत हिंदुओं को एकजुट करना चाहते हैं, उन्होंने ही खुलकर मुस्लिमों को साथ लाने की बात कही है। असल में मोहन भागवत के हिंदुत्व में मुस्लिमों को भी जगह दी गई है।

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस-यूक्रेन युद्ध?

इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ़ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज़ यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

यह महज़ संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले मोदी-जेलेंस्की मुलाकात की भी संभावना है। युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारत-यूक्रेन तथा भारत-रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है।

यह भी महज़ संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ़ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज़ यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज़्यादातर चुनावी और जनमत-निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख़ ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन,

दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और यह युद्ध का युग नहीं है की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं। भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की शांत डिप्लोमेसी, जो न तो शोर मचाती है और न ही श्रेय लेने की होड़ में रहती है। देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर सुर्ख़ियों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक ज़मीन तैयार कर रहे हैं।

देखा जाये तो रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन-सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता है– डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी?

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नज़दीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी विश्वसनीय संवाद की संभावना को कमज़ोर करते हैं।

दूसरी ओर, भारत का रुख शुरुआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार-बार संवाद और कूटनीति की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत-रूस की स्पेशन प्रीविलेज्ड स्ट्रेजी पार्टनरशिप दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने ज़ेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। ज़ेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी-20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे सच्चा मध्यस्थ बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं।

हाईकोर्ट में अटकी "पदोन्नति"

कर्मचारियों को न्याय दिलाने सुप्रीम कोर्ट के वकील तैनात करेगी सरकार

भोपाल। 9 साल बाद सरकार ने कर्मचारियों की पदोन्नति का रास्ता खोल दिया था, लेकिन मामला फिर हाईकोर्ट पहुंच गया, जहां पौने दो महीने से अटका हुआ है। इस मामले में सुनवाई के लिए तारीख पर तारीख दी जा रही है। ऐसे में अब मोहन सरकार ने प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को न्याय दिलाने के लिए कमर कस लिया है। इसके तहत हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई के लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को तैनात करेगी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक डीपीसी की पहली बैठक के बाद ही 4 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को प्रमोशन मिल जाएगा। यह पदोन्नति के लिए पात्र कुल कर्मचारियों की संख्या का 90 प्रतिशत है। ये वे कर्मचारी हैं, जो दिसंबर, 2024 की स्थिति में पदोन्नति के लिए पात्र हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका विचाराधीन होने से प्रदेश में पिछले नौ साल में एक लाख से ज्यादा कर्मचारी बगैर प्रमोशन मिले रिटायर्ड हो चुके हैं। गौरतलब है कि मप्र हाईकोर्ट में याचिका

विचाराधीन होने से पौने दो महीने से कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगी है। इस मामले में हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी। हाईकोर्ट में अगली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मजबूती से सरकार का पक्ष रखेंगे। इसके लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन और तुषार मेहता को हायर किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकार कोर्ट में पदोन्नति के मामले को ज्यादा लंबा नहीं खिंचने देना चाहती, ताकि पदोन्नति की प्रक्रिया जल्दी शुरू की जा सके, इसलिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं को हायर किया गया है। सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में अगली सुनवाई की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पदोन्नति के नए नियमों के अनुसार प्रमोशन के लिए रिक्त पदों को एससी (16 प्रतिशत), एसटी (20 प्रतिशत) और अनारक्षित में बांटा जाएगा। पहले एससी-एसटी के हिस्से वाले पद भरे जाएंगे। फिर अनारक्षित पदों पर एससी-एसटी से लेकर सभी दावेदार पात्र होंगे। पूर्व में प्रमोशन पा चुके कर्मचारियों को रिवर्ट नहीं किया जाएगा। साथ ही नए नियमों में पदोन्नति के लिए एफिसिएंसी टेस्ट का प्रावधान नहीं किया गया है। अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी इसी नियम के विरोध में हाईकोर्ट गए है।

हर बार तारीख आगे बढ़ रही

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2016 से कर्मचारियों की पदोन्नति संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, लेकिन कोर्ट में हर बार तारीख आगे बढ़ जाती है। इसे देखते हुए पदोन्नति का रास्ता खोलने के लिए डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने 17 जून को मप्र लोक सेवा प्रमोशन नियम-2025 को मंजूरी दी थी। सरकार ने पदोन्नति के नए नियमों के संबंध में 19 जून को गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया था। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने 26 जून को सभी विभागों को 31 जुलाई से पहले डीपीसी की पहली बैठक बुलाने के निर्देश दिए थे। सीएस के निर्देश पर सभी विभागों ने डीपीसी की बैठकें बुलाने की तैयारियां कर ली थीं। इस बीच पदोन्नति के नए नियमों के विरोध में कुछ कर्मचारी हाईकोर्ट पहुंच गए। हाईकोर्ट ने 7 जुलाई को कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को अगली सुनवाई (15 जुलाई) में कर्मचारियों की पदोन्नति के पुराने नियम (वर्ष 2002) और नए नियम (वर्ष 2025) में अंतर संबंधी तुलनात्मक चार्ट पेश करने का आदेश दिया था। साथ ही अगली सुनवाई तक पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। तभी से सभी 54 विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया पर रोक लगी है। हाईकोर्ट में 15 जुलाई को सुनवाई टल गई थी। फिर इस याचिका पर 14 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट से समय मांगा गया था। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सरकार की मांग स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए 9 सितंबर की तारीख तय की है।

प्रदेश पदाधिकारियों के बाद होगी जिलों में नियुक्ति

मप्र में भाजपा संगठन पदाधिकारियों की नियुक्ति पर मंथन तेज

खंडेलवाल पर सबको साधने की चुनौती

खंडेलवाल के सामने सबको साधने की चुनौती है। देखना होगा कि वे कैसे सबके साथ और सबका साथ के वाक्य पर सही उतरते हैं। नजदीक में आने वाली सबसे बड़ी चुनौती की बात करें तो राजनीतिक नियुक्तियां हैं। निगम, मंडल, बोर्डों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और जिलों में दीनदयाल अंत्योदय समितियों में पदाधिकारियों की नियुक्तियां होनी हैं। इनकी चर्चा लंबे समय से है, पर अब निर्णय नए अध्यक्ष और सरकार के समन्वय से होना है। इसी तरह से सत्ता और सरकार के बीच तालमेल बनाकर रखना भी सामान्य बात नहीं होगी। कारण, भले ही मुख्यमंत्री उनके साथ हैं, लेकिन मंत्रियों की अपनी अपेक्षाएं हैं। इसी तरह से संगठन और कार्यकताओं की अपेक्षाएं भी सरकार से हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति का इंतजार

पार्टी सूत्रों के अनुसार पहले यह तय किया गया था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा के बाद ही प्रदेश की नई टीम को चुना जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व ने फिलहाल बदलाव नहीं किया है। बीते सप्ताह हेमंत खंडेलवाल, हितानंद और मुख्यमंत्री मोहन यादव दिल्ली गए थे। जहां राष्ट्रीय संगठन संयुक्त महासचिव शिवप्रकाश के साथ नई टीम के गठन को लेकर चर्चा हुई। चुने गए पदाधिकारियों की सूची भी राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष को सौंप दी गई है। जो केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद जारी की जाएगी। पार्टी नेताओं ने यह भी दावा किया कि जिला कार्यकारिणी का विवाद जल्द सुलझा लिया जाएगा।

भोपाल। मप्र में वर्तमान में भाजपा का फोकस संगठन के विस्तार पर है। भाजपा सूत्रों की माने तो पार्टी पहले प्रदेश संगठन का गठन करेगी। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में मंथन चल रहा है। मप्र भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मंशानुसार प्रदेश संगठन में सारे समीकरणों पर नजर रखते हुए नेताओं को नियुक्ति दी जाएगी। उसके बाद जिलों की कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। इसके पीछे भाजपा की मंशा है कि प्रदेश पदाधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर जिलों की कार्यकारिणी का गठन किया जाए। निगम-मंडलों और आयोगों में अपनी राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे भाजपा नेताओं को एक बार फिर थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। संगठन और सरकार ने इन नियुक्तियों से पहले संगठन की टीम तैयार करने का निर्णय लिया है। संगठन ने तय किया है कि पहले जिलों में टीमें बनाई जाएंगी और उसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी का गठन होगा। इसके बाद ही पार्टी नेताओं को निगम-मंडल और आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियों के जरिए समायोजित किया जाएगा। प्रदेश के कई भाजपा नेता पिछले 20 महीनों से राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे हैं। सरकार बनने के दो महीने बाद ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले साल फरवरी में अधिकांश निगम-मंडलों और बोर्डों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को हटा दिया था। तब से लेकर अब तक अटकलें लग रही थीं कि लोकसभा चुनावों के बाद कार्यकताओं की राजनीतिक नियुक्तियां की जाएंगी। 2020 से नहीं हुआ बदलाव जानकारी के अनुसार, खंडेलवाल की टीम के गठन की तैयारी अंतिम चरण में है। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद जिला पदाधिकारी बनाए जाएंगे। तीसरे चरण में निगम-मंडल में नियुक्तियों की बारी आएगी। जिलों में चल रही खींचतान के चलते जिला कार्यकारिणी गठन का कार्य आगे भी बढ़ाया जा सकता है। वजह यह है कि भोपाल, इंदौर सहित कई जिलों में मंत्री, सांसद और विधायक अपने समर्थकों को जिला कार्यकारिणी में स्थान दिलाना चाहते हैं। पार्टी ने जिला कार्यकारिणी के गठन से पहले सभी जिलों में पर्यवेक्षक भी भेजे थे। उन्होंने अपनी रिपोर्ट संगठन को सौंप दी है। रिपोर्ट को लेकर हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद के बीच एक दौर की बातचीत भी हो चुकी है। साथ ही, प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर राज्य और केंद्रीय नेतृत्व के बीच भी चर्चा हो चुकी है। मप्र में पूर्व भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा का कार्यकाल लगभग साढ़े पांच वर्ष का रहा। फरवरी 2020 में तत्कालीन अध्यक्ष राकेश सिंह की जगह उनकी नियुक्ति की गई थी। तब से अब तक अधिकांश जिलाध्यक्ष, उनकी टीम और प्रदेश पदाधिकारियों की टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

अतिक्रमण ने हड़प ली 5460 वर्ग किमी वनभूमि

रूचि नहीं दिखाने से सिर्फ 3 प्रतिशत अतिक्रमण हटा

भोपाल। देश में सर्वाधिक 5460 वर्ग किमी वन भूमि मप्र में अतिक्रमणकारियों ने हड़प ली है। बावजूद इसके इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाला वन विभाग अब तक माफियाओं से सिर्फ 3 प्रतिशत जमीन ही वापस ले पाया है। यह स्थिति तब सामने आई है जबकि बीते 4 सालों में राज्य का वन आवरण 371.54 वर्ग किमी से ज्यादा घट गया है। केंद्रीय वन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वन भूमि पर अतिक्रमण में मप्र देश में नंबर-1 है। 77073.44 वर्ग किमी वन आवरण वाले प्रदेश में 5460 वर्ग किमी वन भूमि अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। यह कुल वन रकबे का 7.08 प्रतिशत है। जानकर हैरानी होगी कि तमाम कार्रवाईयों के बाद विभाग सिर्फ 174.96 वर्ग किमी जमीन ही वापस ले पाया है। यह कुल अतिक्रमित भूमि का 3.20 प्रतिशत से अधिक नहीं है। वहीं वन बल प्रमुख व्हीएन अंबाडे का कहना है कि अतिक्रमण के खिलाफ

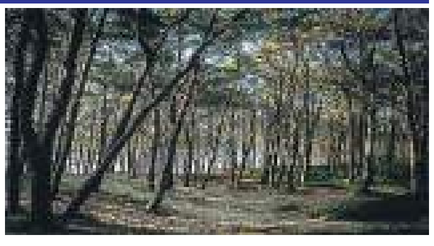

मुहिम हमारी प्राथमिकता में है। मैदानी अमले को सख्ती के साथ इससे निपटने के निर्देश है। कार्रवाई जारी है। वनाधिकार के नाम पर बढ़े कब्जे बताया जाता है कि 2008 के बाद से राज्य में वन भूमि पर अवैध कब्जे बढ़े है। क्योंकि अधिकांश वन भूमि पर ऐसे लोग भी काबिज हो गये जो शासन की नियमावली में पट्टा रखने का अधिकार नहीं रखते।

नौ सितंबर को होगी एमपी आबकारी कांस्टेबल परीक्षा

ये रहेगा परीक्षा पैटर्न परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 100 अंकों के प्रश्न हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम से पूछे जाएंगे।

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल ने एक्साइज कांस्टेबल (आबकारी आरक्षक) भर्ती परीक्षा 2024 की नई तारीख घोषित कर दी है। पहले यह परीक्षा 5 जुलाई 2025 को होनी थी, लेकिन अब इसका आयोजन 9 सितंबर 2025 को किया जाएगा। जिन उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर एग्जाम शेड्यूल चेक कर सकते हैं। एमपी एक्साइज कांस्टेबल भर्ती परीक्षा

का आयोजन 9 सितंबर को दो शिफ्टों में किया जाएगा। पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जिसके लिए उम्मीदवारों को सुबह 8 बजे से 9 बजे तक रिपोर्ट करना होगा। वहीं, दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी और इसके लिए रिपोर्टिंग समय दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा में अभ्यर्थियों को कुल 2 घंटे का समय दिया जाएगा। एमपीईएसबी ने इस भर्ती अभियान के तहत कुल 253 पदों पर रिक्तियां निकाली हैं। इनमें 72 पद अनारक्षित वर्ग के लिए निर्धारित हैं, जबकि 26 पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को मिलेंगे। इसके अलावा, 75 पद अन्य पिछड़ा वर्ग, 36 पद अनुसूचित जाति और 44 पद अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित किए गए हैं। ये रहेगा परीक्षा पैटर्न परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 100 अंकों के प्रश्न हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्नों का स्तर हाईस्कूल स्तर का होगा। सामान्य ज्ञान एवं तार्किक ज्ञान से 40 अंकों के, बौद्धिक क्षमता एवं मानसिक अभिरूचि से 30 अंकों के और विज्ञान एवं सरल अंक गणित से 30 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे।

गुदा फिशर का इलाज अब बिना सर्जरी संभव

भोपाल। अब तक गुदा फिशर जैसी तकलीफदेह बीमारी के इलाज में सर्जरी को ही अंतिम विकल्प माना जाता रहा है। लेकिन एम्स भोपाल के हालिया शोध ने यह साबित किया है कि सिर्फ तीन माह के होम्योपैथी इलाज से भी मरीज पूरी तरह ठीक हो सकते हैं। यह निष्कर्ष एक अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। एम्स भोपाल के आयुष विभाग (होम्योपैथी) और जनरल सर्जरी विभाग ने मिलकर यह अध्ययन किया। इसमें 34 मरीजों को शामिल किया गया, जिन्हें तीव्र गुदा फिशर की समस्या थी। मरीजों को तीन महीने तक पियोनिया ऑफिसिनेलिस नामक होम्योपैथिक दवा दी गई। साथ ही, उन्हें आहार संबंधी सलाह भी दी गई थी।

रिजल्ट के मुख्य पॉइंट

अध्ययन के दौरान पाया गया कि मरीजों के दर्द में लगभग 99 प्रतिशत तक कमी आई। मलत्याग के दौरान होने वाली पीड़ा पूरी तरह खत्म हो गई। मरीजों की जीवन गुणवत्ता में सुधार देखा गया।

88 फीसदी मरीज हुए स्वस्थ

एम्स से मिली जानकारी के अनुसार, तीन माह के अंत तक 34 में से 30 मरीज यानी लगभग 88 प्रतिशत पूरी तरह ठीक हो गए। सबसे राहत की बात यह रही कि किसी गंभीर दुष्प्रभाव की भी शिकायत नहीं मिली। इस अध्ययन के मुख्य शोधकताओं में डॉ. आशीष कुमार दीक्षित (आयुष-होम्योपैथी) और डॉ. मूरत सिंह यादव (जनरल सर्जरी) शामिल रहे।

मिलकर काम करना जरूरी

डॉ. आशीष कुमार दीक्षित ने कहा कि यह रिसर्च दिखाता है कि होम्योपैथी और सर्जरी का सहयोग मरीजों की देखभाल में नए आयाम खोल सकता है। अब नई तकनीक आ गई हैं, ऐसे में अलग-अलग पैथी को मिलकर काम करने पर जोर देना चाहिए।

बाघ और अब चीतों के बीच फंसा मोहली गांव

विस्थापन रुका, खतरें में 8 हजार जिंदगियां

भोपाल। मप्र के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में करीब 8 हजार आबादी वाली ग्राम पंचायत मोहली के बंटी यादव 4 महीने पहले विस्थापन की औपचारिकताएं पूरी कर चुके हैं। लेकिन अब तक गांव में विस्थापन प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। उनका कहना है कि बाघों की आबादी बढ़ रही है, हम अब सुरक्षित नहीं हैं। डर के मारे ना खेती कर पाते हैं, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव हैं। हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि यहां से निकलकर सुरक्षित जगह पहुंच जाएं। गांव की करीब 80 फीसदी आबादी को विस्थापन में मिलने वाले मुआवजे का इंतजार लंबा हो रहा है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन का कहना है कि, विस्थापन स्वैच्छिक होता है और जब तक ग्रामसभा की सहमति नहीं मिलेगी, तब तक हम विस्थापन प्रक्रिया शुरू नहीं कर पाएंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि लगातार बाघों की आबादी बढ? के अलावा अफ्रीकन चीते भी यहां आने वाले हैं। अगर समय पर विस्थापन नहीं हुआ, तो वन्यप्राणी और इंसान दोनों असुरक्षित होंगे।

विस्थापन मंजूर हो चुका है, लेकिन मुआवजा कम मिल रहा है।

मोहली का विस्थापन बड़ी समस्या

नौरादेही टाइगर रिजर्व में विस्थापन की प्रक्रिया 2014 से चल रही है। हालांकि 2018 में इलाके को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण परियोजना में शामिल किया गया था और 2023 में टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया था। लेकिन 2010 में यहां अफ्रीकन चीतों को बसाने के लिए सर्वेक्षण हुआ था और तभी तय कर लिया गया था कि पहले यहां विस्थापन की प्रक्रिया शुरू की जाए। उसी समय नौरादेही वाइल्ड लाइफ सेंचुरी हुआ करती थी और यहां पर बाघों की संख्या शून्य थी। लेकिन भविष्य में बाघ और चीता बसाने के लिहाज से यहां 2014 में विस्थापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी। तब से लेकर अब तक कई छोटे गांव विस्थापित हो चुके हैं। लेकिन मोहली एक ऐसा गांव है, जिसकी आबादी करीब 8 हजार है और इस गांव का विस्थापन काफी जरूरी है।

मोबाइल से होगा पूरा डाटा रिकॉर्ड

मप्र में जनगणना की तैयारियां शुरू, मोहन यादव सरकार ने बनाई हाईपावर कमेटी

भोपाल। मप्र में जनगणना को लेकर तैयारियां शुरू हो गईं है। मप्र में दो चरणों में जनगणना का काम किया जाएगा। जनगणना का पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच कराया जाएगा। जनगणना को लेकर मप्र सरकार ने राज्य भर में हाईपावर स्टेट लेवल कमेटी गठित की है। इस उच्च स्तरीय कमेटी की अध्यक्षता मुख्य सचिव करेंगे। इस कमेटी में 6 अतिरिक्त मुख्य सचिव, तीन प्रमुख सचिव और 15 अन्य अधिकारी शामिल होंगे। यह सभी प्रदेश में होने वाली गनगणना की मॉनिटरिंग करेंगे। जनगणना का काम इस बार डिजिटल तरीके से होगा। टीम मोबाइल के जरिए डाटा जुटाएगी। दो चरणों में होगी जनगणना जनगणना 2027 का काम प्रदेश में दो चरणों में होगा। पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच किया जाएगा। 30 दिन के पहले चरण में मकानों का सूचीकरण और मकानों की काउंटिंग का काम किया जाएगा। इसके बाद दूसरा चरण शुरू होगा। दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना का काम 9 फरवरी से लेकर 28

फरवरी 2027 के बीच किया जाएगा। जनगणना का काम पूरी तरह से डिजिटल तरीके से होगा। इसमें जनगणना के काम में लगने वाले कर्मचारी मोबाइल पर डाटा एकत्रित करेंगे। जनता के पास विकल्प मौजूद होगा कि वे खुद से जनगणना का डाटा भर सकें। जनगणना के जमीनी कामों की निगरानी के लिए भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा एक वेब पोर्टल भी विकसित किया गया है। कर्मचारियों को दी जाएगी ट्रेनिंग जनगणना को सफलतापूर्वक कराने के लिए व्यापक स्तर पर कर्मचारी अधिकारियों की ट्रेनिंग का कार्य किया जाएगा। कर्मचारी अधिकारियों के अलावा जनगणना के मास्टर ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर और फील्ड स्टॉफ की ट्रेनिंग का काम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा।

अनुराग जैन की सेवा वृद्धि से रुका शिवशेखर का प्रमोशन

अब केवल दीपाली रस्तोगी होंगी पदोन्नत

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन की सेवा वृद्धि प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला के लिए भारी पड़ गई है। अगर अनुराग जैन की सेवा वृद्धि नहीं होती तो शिवशेखर शुक्ला को मुख्य सचिव के वेतनमान पद पर पदोन्नति मिल जाती। अब 31 अगस्त को जेएन कंसोटिया के सेवानिवृत्त होने पर इसका लाभ प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी को मिलेगा, वे अपर मुख्य सचिव (एसीएस) पद पर पदोन्नत होंगी। मुख्य सचिव पद के लिए एसीएस जल संसाधन राजेश कुमार राजौरा और एसीएस वन

अशोक बर्णबाल के नाम की भी चर्चा थी। इसके अलावा केंद्र में पदस्थ मप्र कैडर के आइएएस अधिकारी अलका उपाध्याय और मनोज गोविल का नाम भी मुख्य सचिव की दौड़ में बताया जा रहा था, लेकिन अलका उपाध्याय को केंद्र में अल्पसंख्यक मंत्रालय की सचिव की जिम्मेदारी मिलने के बाद यह उनके नाम की अटकलें थम गईं। गौरतलब है कि 31 अगस्त को अनुराग जैन और जेएन कंसोटिया का रिटायरमेंट होना था। लेकिन मुख्य सचिव अनुराग जैन का एक साल का कार्यकाल बढ़ाया गया है। इसी के साथ ही प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों की मुख्य सचिव वेतनमान पर की पदोन्नति स्थिति भी स्पष्ट हो गई है। जैन का कार्यकाल बढने से अपर मुख्य सचिव कैडर का एक ही पद रिक्त होगा।

शुक्ला को करना होगा इंतजार

मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक साल के लिए मिली सेवा वृद्धि के कारण प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति शिवशेखर शुक्ला को अपर मुख्य सचिव पद पर पदोन्नति पाने के लिए अभी इंतजार करना होगा। इससे पहले अपर मुख्य सचिव अजीत केसरी के सेवानिवृत्त होने पर प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी को एसीएस बनाया गया था। बता दें, मुख्य सचिव का पद अपर मुख्य सचिव स्तर का ही होता है, बस भत्ते और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। जानकारी के अनुसार, मुख्य सचिव अनुराग जैन का कार्यकाल बढ़ाए जाने पर गुरुवार दोपहर तक राज्य सरकार निर्णय नहीं ले सकी थी। जब केंद्र सरकार की ओर से पहल की गई, तो कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव राज्य सरकार ने शाम को केंद्र को भेजा गया था। इसके दो घंटे बाद के अंदर ही जैन का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाने का आदेश जारी हो गया।

जैन लोक प्रशासन में एमए

मुख्य सचिव अनुराग जैन का जन्म 11 अगस्त 1965 को मप्र के ग्वालियर में हुआ था। भारतीय प्रशासनिक सेवा में आने के बाद जैन की पहली नियुक्ति जून 1990 में सागर में सहायक कलेक्टर के पद पर हुई। बहुमुखी प्रतिभा के धनी जैन की शैक्षणिक योग्यता बीटेक इंजीनियरिंग और एमए लोक प्रशासन (अमेरिका) है। मुख्य सचिव जैन मंडला, मंदसौर, भोपाल जिलों में कलेक्टर के पद पर कार्यरत रहे। जैन, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के दो बार सचिव रहे।

मप्र मेडिकल काउंसिल की तरह अब फामेर्सी काउंसिल ने भी बनाया

अब कागज नहीं चेहरा देखकर होगा नवीनीकरण

भोपाल। मप्र मेडिकल काउंसिल की तरह अब फामेर्सी काउंसिल में भी पंजीयन नवीनीकरण के लिए फार्मासिस्ट का भौतिक सत्यापन अनिवार्य करने की तैयारी है। 60 वर्ष से कम उम्र वालों का आधार केवायसी से सत्यापन किया जाएगा, ताकि पता चल सके कि वे जीवित है या नहीं। इससे अधिक उम्र वालों को भोपाल में फार्मेसी काउंसिल में उपस्थित होना पड़ेगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि अभी सिर्फ कागजों के आधार पर पंजीयन नवीनीकरण हो जाता है, जिससे यही पता नहीं चलता कि जिसके नाम से पंजीयन वह व्यक्ति जीवित है या नहीं। इसी पंजीयन के आधार पर औषधि प्रशासन विभाग मेडिकल स्टोर का लाइसेंस जारी करता है। कई बार तो ड्रगिस्ट एवं केमिस्ट एसोसिएशन की तरफ से भी फार्मासिस्टों के नवीनीकरण आवेदन एकत्र करके काउंसिल में भेजे जाते हैं। उल्लेखनीय है कि मप्र मेडिकल काउंसिल ने भी पंजीकृत सभी डॉक्टरों का आधार सत्यापन दो वर्ष पहले शुरू किया था। कारण, कई डॉक्टर दुनिया में नहीं रहे तो कुछ दूसरे राज्य या विदेश में चले गए पर काउंसिल में इसके बाद भी वह पंजीकृत हैं।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

संक्षिप्त समाचार

फ्लोरिडा में इंद्रधनुषी क्रॉसवॉक हटाने का विवाद

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। फोर्ट लॉडरडेल शहर के नेता बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को एक आपात बैठक करेंगे। इस बैठक में इस बात पर चर्चा की जाएगी कि राज्य सरकार के आदेश का कैसे जवाब दिया जाए, जिसमें कहा गया है कि सड़कों पर बने इंद्रधुनषी रंग के क्रॉसवॉक और दूसरी स्ट्रीट आर्ट को हटाना होगा। अगर शहर ने ऐसा नहीं किया तो उन्हें लाखों डॉलर की फंडिंग गंवानी पड़ सकती है। यह आदेश फ्लोरिडा के रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डेसेंटिस के नेतृत्व वाले परिवहन विभाग ने दिया है। राज्य का कहना है कि सभी क्रॉसवॉक और स्ट्रीट आर्ट अगले महीने तक हटा दिए जाएं। ज्यादातर ये क्रॉसिंग एलजीबीटीक्यू+ एलजीबीटीक्यू+ और अश्वेत समुदाय जैसे हाशिए पर रहने वाले लोगों को सम्मान देने के लिए बनाए गए थे। आलोचकों का कहना है कि डेसेंटिस प्रशासन लगातार एलजीबीटीक्यू+समुदाय के खिलाफ फैसले ले रहा है। इससे पहले भी उन्होंने बच्चों के लिए जेंडर बदलने वाली देखभाल पर रोक लगाई और डोंट से गे नामक कानून बनाया, जिससे स्कूल की कुछ कक्षाओं में यौन पहचान और लिंग पर बात करने पर रोक लग गई।

सिएटल में भारतीय वाणिज्य दूतावास का नया कार्यालय शुरू

सिएटल , एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सिएटल में भारतीय महावाणिज्य दूतावास के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। वाणिज्य दूतावास ने बताया, यह कार्यालय ऐतिहासिक 'फेडरल रिजर्व बिल्डिंग' में 1015 सेकंड एवेन्यू पर स्थित है। इमारत की पहली मंजिल पर सार्वजनिक सेवाओं के लिए वाणिज्य दूतावास अनुभाग है और 11वीं मंजिल पर प्रशासनिक एवं वाणिज्यिक शाखाएं हैं।

इमरान की पार्टी करेगी उपचुनाव का बहिष्कार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी राष्ट्रीय व प्रांतीय विधानसभाओं के आगामी उपचुनाव का बहिष्कार करेगी। खान अभी जेल में बंद हैं। नौ मई, 2023 के दंगों में संलिप्तता के लिए खान की पार्टी (पीटीआई) के नेताओं को दोषी ठहराने के बाद नेशनल असेंबली और प्रांतीय विधानसभाओं की कई सीट खाली हो गई थीं। उपचुनावों का बहिष्कार का फैसला पार्टी की राजनीतिक समिति ने लिया। इस निर्णय के बाद, पीटीआई ने नेशनल असेंबली की सभी स्थायी समितियों से इस्तीफा दे दिया।

फ्लोरिडा के गवर्नर बोले, एच-1बी वीजा एक घोटाला

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं में एच-1बी वीजा के खिलाफ आवाज बुलंद करने वालों में फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस भी जुड़ गए हैं। उन्होंने एच-1बी वीजा को एक घोटाला कार्यक्रम बताया। वह बोले, इसका कारण अमेरिकियों की बढ़ती छंटनी है, ताकि विदेशी कामगारों के लिए अमेरिका में रोजगार का रास्ता बनाया जा सके। इन दिनों माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल समेत कई बड़ी टेक कंपनियों में छंटनी की वजह से एच-1बी वीजा चर्चा में है। डेसेंटिस ने कहा, कंपनियां अमेरिकी कामगारों को नौकरी से निकाल रही हैं और एच-1बी वीजा वालों को सस्ते में काम पर लिया जा रहा है।

इस्राइली विदेश मंत्री से मिले मार्को रूबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और इस्राइली विदेश मंत्री गिदोन सार की मुलाकात हुई। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य सहयोग की बात दोहराई गई। मुलाकात में इस्राइली विदेश मंत्री ने गाजा युद्ध में अमेरिकी मदद के लिए धन्यवाद भी दिया। दोनों नेताओं के बीच मध्य पूर्व एशिया के हालात पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों नेताओं की बैठक में ईरान का मुद्दा भी उठा। साथ ही अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक पर भी बात हुई।

अमेरिकी स्कूल पर गोलीबारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में बुधवार को एक कैथोलिक स्कूल में हुई गोलीबारी में दो बच्चों और हमलावर समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हैं, जिनमें 14 बच्चे हैं। यह घटना उस वक्त हुई जब स्कूल में सामूहिक प्रार्थना सभा चल रही थी। मारे गए दोनों बच्चों की उम्र 8 और 10 साल है। पुलिस ने मीडिया को बताया कि हमलावर ने खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे के वक्त दोनों बच्चे बेंच पर बैठे थे।

हमलावर के पास तीन हथियार थे - एक राइफल, एक शॉटगन और एक पिस्टल। हमलावर के बंदूकों पर डोनाल्ड ट्रम्प को मार डालो और भारत पर परमाणु बम गिराओ जैसे नारे लिखे थे। दो दिन पहले यानी सोमवार को ही स्कूल की गर्मियों की छुट्टियां खत्म हुई थीं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्हें इस घटना की पूरी जानकारी दी गई है। ख्नब्क्ष्ठ ने फौरन कार्रवाई की और वे वहां मौजूद हैं। व्हाइट हाउस हालात पर नजर रख रहा है।

हमलावर की पहचान 23 वर्षीय रॉबिन वेस्टमैन के रूप में हुई है। वेस्टमैन ने 2020 में अपना नाम बदल दिया था। इस हमले की दो वीडियो रोबिन डब्ल्यू नामक यूट्यूब चैनल पर डाले गए थे, लेकिन बाद में वीडियो समेत चैनल भी डिलीट कर दिया गया। मोबाइल फोन से शूट किए गए लगभग 10 मिनट लंबे वीडियो में हथियारों, गोला-बारूद और भरी हुई मैगजीन का जखीरा दिखाया गया है। मैगजीन पर डोनाल्ड ट्रम्प को मार डालो, ट्रम्प को अभी मार डालो, इजराइल का पतन होना चाहिए, और इजराइल को जला दो जैसे नारे लिखे थे। इनमें से एक हथियार पर 'न्यूक इंडिया' (भारत पर परमाणु हमला) भी लिखा हुआ था। वीडियो में एक परिवार और दोस्तों के नाम एक लेटर भी दिखाया गया है , जिसमें गोलीबारी से उनके लिए जो परिणाम होंगे उसके लिए माफी मांगी गई है। अमेरिकी गृह सचिव क्रिस्टी नोएम ने वीडियो की पुष्टि की है। मैगजीनों पर तुम्हारा ईश्वर कहां है? और बच्चों के लिए भी लिखा हुआ था। एक पर पहले स्कूलों पर गोलीबारी कर चुके शूटरों के नाम और कुछ संदेश लिखे हुए थे। वीडियो में एक समय पर उस व्यक्ति ने एक छोटी बंदूक भी निकाली और कहा, यह मेरे लिए है। अगर मुझे इसकी जरूरत पड़े तो। वीडियो में उस व्यक्ति के परिवार को लिखा एक पत्र भी दिखाया गया, जिसमें गोलीबारी से उनके लिए क्या मायने होंगे? इसके लिए माफी मांगी गई है। लगभग 20 मिनट लंबे दूसरे वीडियो में दो अलग-अलग जर्नल दिखाए गए- पहला 150 से ज्यादा पेजों का था। सभी शायद सिरिलिक वर्णमाला में लिखे हुए थे। दूसरे जर्नल में अंतिम प्रविष्टि की तारीख 8-21-25 थी और यह 60 से ज्यादा पेजों का था। यह भी पूरी तरह से सिरिलिक में लिखा गया था। अमेरिकी गृह सचिव क्रिस्टी नोएम ने वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि करते हुए कहा कि बेहद बीमार हत्यारे ने राइफल की मैगजीन पर बच्चों के लिए, तुम्हारा ईश्वर कहां है? और डोनाल्ड ट्रंप को मार डालो जैसे शब्द लिखे थे। उन्होंने एक्स पर लिखा, इस स्तर की हिंसा अकल्पनीय है। अधिकारियों ने कहा कि वेस्टमैन ने हथियार कानूनी तौर पर खरीदे थे, उसका कोई ज्ञात आपराधिक इतिहास नहीं था और उसने अकेले ही यह काम किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शोक के प्रतीक के रूप में पूरे देश में अमेरिकी ध्वज आधा झुकाने का आदेश दिया है।

बस और ट्रक की टक्कर में 25 लोगों की गई जान

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाओं ने एक बार फिर बड़ी त्रासदी ला दी है। पिछले एक सप्ताह में देश भर में हुए अलग-अलग हादसों में करीब 100 लोगों की मौत हो गई है। बुधवार को काबुल के पास एक यात्री बस के पलटने से हुए दर्दनाक हादसे में 25 लोगों की मौत हो गई है जबकि 27 अन्य घायल हो गए हैं।

तालिबान के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया कि बुधवार सुबह यह हादसा काबुल को दक्षिणी कंधार से जोड़ने वाले राजमार्ग पर लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुआ। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया।

हेरात प्रांत- पश्चिमी हेरात में एक अन्य दर्दनाक हादसे में 79 लोगों की जान चली गई। यहां ईरान से लौट रही एक बस की टक्कर एक मोटरसाइकिल और ईंधन ट्रक से हुई जिससे बस में आग लग गई। मृतकों में 19 बच्चे और कई महिलाएं शामिल थीं। इन घटनाओं ने अफगानिस्तान में सड़क सुरक्षा की खराब स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लापरवाही से ड्राइविंग और सड़कों की खराब हालत को इन हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है। तालिबान प्रशासन ने इन मामलों की जांच करने और सड़क सुरक्षा के नियमों को और मजबूत करने का आश्वासन दिया है।

शादी के 4 साल बाद पति से अलग हुई यह फेमस एक्ट्रेस, प्रशंसक हुए हैरान!

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरियाई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मशहूर कार्टूनिस्ट और पूर्व अभिनेता पार्क ताए जुन और आइडल चोई सू जंग ने लगभग 4 साल की शादी के बाद आधिकारिक तौर पर तलाक ले लिया है। इस खबर ने इंटरनेट पर उनके प्रशंसकों को हैरान कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार इस जोड़े ने पिछले साल ही तलाक के लिए अर्जी दी थी और अलग होने की कागजी कार्रवाई भी पूरी कर ली थी। इस खबर के सामने आते ही ताए जुन ने अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा, यह सच है कि मैंने चोई सू-जंग से तलाक ले लिया है। पिछले साल की शुरुआत में इस पर बातचीत शुरू हुई थी और पिछले साल अगस्त तक तलाक की मध्यस्थता स्थापित हो गई थी और कागजी कार्रवाई पूरी हो गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ब्रेकअप आपसी सहमति से हुआ है।

ताए जुन और सू जंग का रिश्ता लगभग 10 साल की लंबी डेटिंग के बाद शादी में बदला था। 2020 में अपनी शादी के समय ताए जुन ने एक रेडियो शो में बताया था कि कैसे सू जंग उन्हें अपना सबसे अच्छा दोस्त कहती हैं।

हालांकि तलाक की खबरों के बीच ऐसी रिपोर्ट्स भी सामने आई हैं कि यह जोड़ा संपत्ति बंटवारे के मुकदमे में उलझा हुआ है। ताए जुन ने इन सभी आरोपों का खंडन करते हुए कहा, मुझे यह बताना ज़रूरी नहीं लगा। यह अच्छी जानकारी नहीं है।

अमेरिका की वीजा पॉलिसी में बड़ा बदलाव

विदेशी छात्रों और पत्रकारों के लिए सख्त समय सीमा लागू

वाशिंगटन, एजेंसी। विदेशी छात्रों और पत्रकारों के लिए अमेरिका में पढ़ाई या रिपोर्टिंग करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अब चीजें पहले जैसी सहज नहीं रहने वाली हैं। अमेरिका ने अपनी वीजा प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है, जो न केवल वीजा की अवधि को सीमित करेंगे बल्कि निगरानी व्यवस्था को भी कड़ा बनाएंगे।

अब तक विदेशी छात्र, पत्रकार या सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में शामिल प्रतिभागी अपनी गतिविधियों की अवधि तक अमेरिका में रह सकते थे। लेकिन नई नीति के तहत अब इन वर्गों के लिए अधिकतम रहने की अवधि निर्धारित कर दी गई है।

इन बदलावों के पीछे क्या कारण है?: अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग का कहना है कि यह कदम वीजा के दुरुपयोग और अवैध प्रवास पर लगाम लगाने के मकसद से उठाया गया है। विभाग का मानना है कि पहले की स्थिति की अवधि प्रणाली में निगरानी की सीमाएं थीं, जिससे कई बार लोग तय समय से अधिक रुकते थे या नियमों का उल्लंघन करते थे। अब, यदि कोई व्यक्ति निर्धारित अवधि के बाद भी अमेरिका में रुकना चाहता है, तो उसे विस्तार के लिए डीएचएस से विशेष अनुमति लेनी होगी।

क्या असर पड़ेगा छात्रों और पत्रकारों पर?:= शिक्षा विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े विश्लेषकों की राय में, ये नए नियम विदेशी छात्रों को अमेरिका आने के निर्णय पर दो बार सोचने को मजबूर कर सकते हैं। रिसर्च आधारित कोर्स या पीएचडी जैसी लंबी अवधि की पढ़ाई करने वाले छात्रों को बीच में वीजा विस्तार की प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा, जो समय और संसाधन दोनों की मांग करता है। वहीं, पत्रकारों के लिए सीमित समयावधि की शर्त उनकी रिपोर्टिंग की स्वतंत्रता पर असर डाल सकती है, खासकर जब वे लंबी रिपोर्टिंग परियोजनाओं पर काम कर रहे हों।

अमेरिका की नजर में सख्ती - सुरक्षा: ष्ठ॥स का कहना है कि इन सख्त नियमों के ज़रिए वीजा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे धोखाधड़ी और झूठे दस्तावेजों के जरिए अमेरिका में प्रवेश करने वालों पर रोक लगेगी और वीजा की साख और संरचना बरकरार रखी जा सकेगी।

चीन की विक्ट्री-डे परेड में शामिल होंगे पुतिन और किम जोंग उन

बीजिंग, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिरि पुतिन और नॉर्थ कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन 3 सितंबर को चीन के विक्ट्री-डे परेड में शामिल होंगे। चीनी सरकार के मुताबिक इस कार्यक्रम में 26 विदेशी नेता हिस्सा लेंगे। यह परेड बीजिंग में होगी। इनमें तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह भी शामिल हैं। चीन इसे सेकेंड वर्ल्ड वॉर में जापानी आक्रमण के खिलाफ चीन के जवाबी हमले की वर्षगांठ के तौर पर मनाता है। हालांकि इस परेड को लेकर चीन और जापान के बीच विवाद छिड़ गया है। जापान ने ग्लोबल लीडर्स से इसमें शामिल न होने की अपील की थी। इसके बाद चीन ने जापान के खिलाफ आधिकारिक राजनयिक विरोध दर्ज कराया। चीन के विदेश उपमंत्री होंग लेई ने बताया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर ये सभी नेता शामिल होंगे। परेड का आयोजन शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के ठीक बाद होगा, जो 31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन शहर में होने वाला है। चीन ने गुरुवार को बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता 3 सितंबर को चीन में आयोजित होने वाले विजय दिवस (विक्ट्री डे परेड) समारोह में शामिल होंगे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध युद्ध में चीन की जीत के उपलक्ष्य में इस विजय दिवस परेड का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि इस विजय दिवस परेड को लेकर चीन और जापान में कूटनीतिक विवाद हो गया है। जापान ने जहां वैश्विक नेताओं से चीन के कार्यक्रम में शामिल न होने की अपील की है, वहीं चीन ने जापान के सामने इसे लेकर राजनयिक विरोध दर्ज कराया है। चीन के सहायक विदेश मंत्री होंग लेई ने गुरुवार को बताया कि बीजिंग में चीन के विजय दिवस समारोह में 26 विदेशी नेता शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इनमें पुतिन और किम भी शामिल हैं। ये नेता चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर बीजिंग जा रहे हैं। होंग ने कहा, चीन 3 सितंबर को जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीनी जन प्रतिरोध युद्ध और विश्व फासीवाद-विरोधी युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशाल सैन्य परेड का आयोजन करेगा।

इंटरनेट वाले प्यार से मिलने के लिए मौत का झूठा नाटक

मैडिसन, एजेंसी। अमेरिका में एक व्यक्ति ने अपनी एक महिला मित्र से मिलने के लिए सारी हदें पार कर दी। अपने बच्चों और अपनी पत्नी की परवाह न करते हुए सबसे पहले तो उसने अपनी मौत का झूठा नाटक किया और फिर अपनी नसबंदी को हटवाकर नया पासपोर्ट बनवाया और उज्बेकिस्तान की अपनी महिला मित्र से मिलने के लिए निकल पड़ा। हालांकि इसी दौरान उसे रास्ते में गिरफ्तार कर लिया गया और अब उसे 89 दिनों की जेल की सजा सुनाई गई है। यह उतने ही दिन है, जितने दिन तक वह पुलिस और उसके परिवार के लिए लापता या मृत घोषित होकर रहा था। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक विस्कॉन्सिन के रहने वाले 45 वर्षीय रयान बोर्गवर्ड सोशल मीडिया पर उज्बेकिस्तान की एक महिला के साथ संपर्क में था। उसके पास जाकर अपना जीवन जीने के लिए उसने यह पूरा नाटक किया। गिरफ्तार किए जाने पर कोर्ट में पेश किए गए रयान ने कहा कि उसे अपने किए कराए पर पछतावा है, उसे दुख है कि उसने अपने प्रियजनों और दोस्तों को परेशान किया। रयान के इस बयान पर बचाव पक्ष के वकील ने अदालत से कहा, अभियुक्त को अपने किए पर पछतावा है और वह उसकी जिम्मेदारी ले रहा है, इसलिए उसकी सजा कम की जाए। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले अगस्त में बोर्गवर्ड ने इस पूरी योजना को अंजाम देना शुरू किया था। उसने अपनी पत्नी से कहा कि वह ग्रीन लेक पर कयाकिंग करने के लिए जा रहा है। इसके बाद वह वहां से लापता हो गया। पुलिस ने शुरुआती जांच में अनुमान लगाया था कि शायद वह डूब गया होगा। हालांकि पुलिस ने उस दौरान किसी शव को बरामद नहीं किया था।

नए कोविड टीकों को एफडीए से मंजूरी, फिलहाल सीमित इस्तेमाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी दवा नियामक- एफडीए ने नए कोविड टीकों को मंजूरी दी है। फिलहाल इसके सीमित इस्तेमाल की अनुमति होगी। अमेरिकी नियामकों ने नई वैक्सीन को मंजूरी देने के संबंध में कहा कि अपडेट किए गए कोविड-19 टीकों को मंजूरी दी गई है, लेकिन अब उनका उपयोग सीमित कर दिया गया है। नई शर्तों के मुताबिक फाइजर, मॉडर्ना और नोवावैक्स के नए टीके सभी वरिष्ठ नागरिक लगवा सकते हैं। बच्चों, किशोरों और वयस्कों को ये टीके केवल तभी लगाए जाएंगे जब उन्हें अस्थमा, मोटापा जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं या कोई उच्च जोखिम हो। एफडीए ने बताया, अब पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए फाइजर टीके का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। अब केवल मॉडर्ना का टीका लगाया जा सकेगा, वह भी केवल गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे बच्चों को। नोवावैक्स का टीका 12 वर्ष से अधिक उम्र वालों को ही लगाया जा सकेगा। नई नीति को लेकर कई अमेरिकी चिकित्सा संगठनों ने आपत्ति भी जताई है। इनका कहना है कि बच्चों पर सीमित इस्तेमाल, बीमा कवरेज और राज्यों के कानूनों के चलते टीकों का इस्तेमाल जटिल हो सकता है। बिना बीमा वाले लोगों को वैक्सीन के लिए लगभग 150 डॉलर तक भुगतान करना पड़ सकता है।

लिसा कुक की बर्खास्तगी के बाद अब अमेरिका ने सीडीसी निदेशक को हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। फेड गवर्नर लिसा कुक की बर्खास्तगी का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अमेरिका की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी की निदेशक सुसान मोनारेज को महज एक महीने के भीतर ही पद से हटा दिया गया। इसके साथ ही एजेंसी के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि सुसान मोनारेज अब रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की निदेशक नहीं हैं। हम उनकी अमेरिकी जनता के प्रति समर्पण के लिए धन्यवाद देते हैं। हालांकि, विभाग ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें पद से क्यों हटाया गया।

वाइट हाउस ने क्या कहा?

वाइट हाउस ने बुधवार को घोषणा की कि सीडीसी की निदेशक सुसान मोनारेज को शपथ ग्रहण के एक महीने से भी कम समय में बर्खास्त कर दिया गया। वैक्सीन नीतियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य निर्देशों पर बढ़ते तनाव के बीच कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। विभाग की घोषणा से पहले सुसान ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से कहा कि मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकती। बुधवार शाम उनके वकील मार्क जैद और एबे डेविड लोवेन ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि मोनारेज ने न तो इस्तीफा दिया और न ही उन्हें सूचित किया गया कि उन्हें हटाया गया है।

बयान में कहा गया, जब सीडीसी निदेशक सुसान ने गलत और बिना वैज्ञानिक आधार वाले आदेश का पालन करने से इनकार किया और ईमानदार डॉक्टरों को नहीं हटाया, तो उन्होंने जनता की सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखा। यही कारण है कि उन्हें निशाना बनाया गया। वकीलों ने आगे कहा, यह सिर्फ एक व्यक्ति का मामला नहीं है। यह हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर करने, विशेषज्ञों की आवाज दबाने और विज्ञान का राजनीतिकरण करने की कोशिश है। मोनारेज पर हमला हर अमेरिकी के लिए चेतावनी है कि हमारे वैज्ञानिक तंत्र को अंदर से नष्ट किया जा रहा है।

इन लोगों ने दिया इस्तीफा

सीडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया, जिनमें उप निदेशक डॉ डेबरा हौरी, उभरती और जूनोटिक संक्रामक बीमारियों के लिए राष्ट्रीय केंद्र के प्रमुख डॉ डैनियल जर्निगन, और टीकाकरण व श्वसन रोगों के लिए राष्ट्रीय केंद्र के प्रमुख डॉ डेमेट्रे डस्कलाकिस शामिल हैं। डॉ हौरी ने एक ईमेल में लिखा कि बजट कटौती, पुनर्गठन और छंटनी के कारण एजेंसी पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि मैं जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हूं, लेकिन इन बदलते हालात में इस भूमिका को निभाना संभव नहीं समझती।

उन्होंने टीकों को लेकर फैली अफवाहों और सीडीसी की संचार क्षमता पर नए प्रतिबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया के कल्याण के लिए सीडीसी में वैज्ञानिक जानकारी को कभी नहीं रोका जाना चाहिए और न ही राजनीति के हिसाब से बदला जाना चाहिए। वहीं, डॉ डस्कलाकिस ने एक अलग ईमेल में लिखा कि मैं अब इस भूमिका में काम नहीं कर सकता, क्योंकि सार्वजनिक स्वास्थ्य को हथियार बनाया जा रहा है।

सीडीसी के बजट में कटौती की मांग: दरअसल, व्हाइट हाउस ने सीडीसी के बजट में लगभग 3.6 बिलियन डॉलर की कटौती की मांग की थी, जिससे 2026 के लिए इसका बजट 4 बिलियन डॉलर रह गया। कैनेडी ने इस साल की शुरुआत में एक छंटनी योजना की घोषणा की थी, जिसके तहत 2,400 सीडीसी कर्मचारियों की छंटनी की गई, हालांकि लगभग 700 को फिर से काम पर रखा गया। बता दें कि तीन दिन पहले फेड गवर्नर लिसा कुक को भी पद से हटा दिया गया था।

एमसीयू रीवा परिसर में अभ्युदय समापन सत्र में हुए शामिल

संस्कार युक्त शिक्षा से ही उंचाईयाँ प्राप्त की जा सकती हैं: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि संस्कार युक्त शिक्षा से ही उंचाईयाँ प्राप्त की जा सकती हैं। सर्वोच्च पद पर पहुंचकर भी समाज, आमजनों के कल्याण व देश के विकास के लिये प्रयत्नशील रहें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रीवा परिसर में नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय के समापन सत्र में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां के छात्रों ने देश व विदेश में पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट स्थान बनाया है। रीवा परिसर के विद्यार्थी भी लगन व मेहनत से शिक्षित होकर अपने संस्थान का नाम रोशन करें। यह संस्थान उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में इसकी और प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपने पाठयक्रम के साथ ही आदर्श पुस्तकों का अध्ययन करें और देश को विश्वगुरू बनाने में सहभागी बनें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने में जागरूकता व शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विन्ध्य में प्रतिभाओं की कमी नहीं है वर्तमान में देश की सेना के दो सर्वोच्च पदों पर विन्ध्य के ही लाल विराजमान हैं। उप मुख्यमंत्री ने परिसर में स्थापित विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन किया। उन्होंने परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम के अंत में संवाद सत्र में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल एवं कुलगुरू तथा वरिष्ठ पत्रकारों ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया।

कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने बताया कि पत्रकारिता के साथ कंप्यूटर शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को आने वाले समय में आईटी क्षेत्र में ख्यातिलब्ध विद्वान का मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने नवागत विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा अपेक्षा की कि वह अपने परिजनों की आशाओं पर खरे उतरेंगे और देश-विदेश में स्वयं व संस्थान का नाम रोशन करेंगे। वरिष्ठ पत्रकार श्री कृष्ण मोहन मिश्रा, श्री प्रकाश हिंदुस्तानी, श्री संजय पाण्डेय, श्री आशुतोष तिवारी, श्री जयराम शुक्ला ने भी संबोधित किया। आभार प्रदर्शन केंद्र प्रभारी डॉ सत्येंद्र डेहरिया द्वारा किया गया।

भारतीय दृष्टिकोण से समृद्ध साहित्य से पुस्तकालयों को समृद्ध करने की आवश्यकता : मंत्री परमार

प्रदेश के विश्वविद्यालयों से देश भर में गुंजायमान होगा 'भाषाई एकात्मता' का संदेश

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा है कि भारतीय ज्ञान परम्परा में पुस्तकालय सदैव ही समृद्ध रहे हैं। नालंदा विश्वविद्यालय में विश्व का सबसे विशाल पुस्तकालय था और तब भारत विश्व गुरु की संज्ञा से सुशोभित था। विश्व भर के लोग हमारे यहां शिक्षा ग्रहण करने आते थे। भारत का ज्ञान सार्वभौमिक था। हमारी संस्कृति में ज्ञान का दस्तावेजीकरण नहीं था। हमारे पूर्वजों ने शोध एवं अध्ययन कर ज्ञान को परंपरा के रूप में समाजव्यापी बनाया।

अतीत के विभिन्न कालखंडों में योजनाबद् तरीके से हमारे ज्ञान को दूषित करने का कुत्सित प्रयास किया गया। भारतीय समाज में विद्यमान परंपरागत ज्ञान को पुन: शोध एवं अनुसंधान के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण के सापेक्ष युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में दस्तावेजीकरण से समृद्ध करने की आवश्यकता है। पुस्तकालय मानवता, नवाचार और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण के मूल आधार हैं। भारतीय दृष्टिकोण से समृद्ध साहित्य से समस्त पुस्तकालयों को समृद्ध करने की आवश्यकता है। यह बात मंत्री श्री परमार ने शुक्रवार को भोपाल स्थित राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय (एनएलआईयू) में संस्थान के केंद्रीय पुस्तकालय ज्ञान मंदिर के तत्वावधान में विकसित भारत के पुस्तकालयों की पुनर्कल्पना विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञानोत्सव-2025 में कही। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत में हर क्षेत्र हर विषय में व्यापक ज्ञान था और भारत हर क्षेत्र में विश्वमंच पर अग्रणी एवं समृद्ध था। भारत की धरोहर इस परंपरागत ज्ञान को भारत के सापेक्ष भारतीय दृष्टि से संजोने एवं सहेजने की आवश्यकता है।

पुस्तकालयों को भारतीय दृष्टि से समृद्ध साहित्य से समृद्ध बनाना होगा, समृद्ध पुस्तकालयों से विकसित एवं समृद्ध राष्ट्र का बौद्धिक सृजन होगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत की गृहणियों की रसोई में कोई तराजू नहीं होता है, गृहणियों को भोजन निर्माण के लिए किसी संस्थान में अध्ययन करने की आवश्यकता नहीं होती है। भारतीय गृहणियों में रसोई प्रबंधन का उत्कृष्ट कौशल, नैसर्गिक एवं पारम्परिक रूप से विद्यमान है। भारत की रसोई विश्वमंच पर प्रबंधन का उत्कृष्ट आदर्श एवं श्रेष्ठ उदाहरण है। भारतीय समाज में ऐसे असंख्य संदर्भ, परम्परा के रूप में प्रचलन में हैं, उनमें वर्तमान परिदृश्य अनुरूप शोध एवं अनुसंधान के साथ समृद्ध करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में अभियांत्रिकी, तकनीकी, चिकित्सा सहित हर क्षेत्र, हर विषय में सदियों से विद्यमान वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित भारतीय परम्परागत ज्ञान के अनेकों उदाहरण प्रस्तुत किए। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने भारतीय ज्ञान परम्परा पर पुनर्चिंतन का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। श्री परमार ने भारतीय पुरातन न्याय प्रणाली के संदर्भ में कहा कि हमारा समाज उन कालखंडों में स्वयं अनुशासित रहने वाला समाज था। उस समय किसी के घर में ताले नहीं लगाए जाते थे, समाज स्वयं नैतिक मूल्यों की अवधारणा को आत्मसात करता था। मंत्री श्री परमार ने न्यायिक प्रणाली के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा की आवश्यकता एवं महत्ता पर भी बल दिया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि देश के हृदय प्रदेश की संज्ञा से सुशोभित हिंदी भाषी मध्यप्रदेश ने भारत की अनेकता में एकता की संस्कृति को चरितार्थ करते हुए एक नई पहल की है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में देश की सभी प्रमुख भाषा जैसे कन्नड़, तमिल, तेलगु, बांग्ला, असमिया आदि भारतीय भाषाएं सिखाई जाएंगी। इससे प्रदेश के विश्वविद्यालयों से पूरे देश में भाषाई सौहार्दता का संदेश जाएगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भाषाएं जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं, यह व्यापक संदेश प्रदेश के उच्च शैक्षणिक संस्थानों से देश भर में गुंजायमान होगा। हमारा यह नवाचार देश भर में भाषाई एकात्मता का संदेश देगा।

संक्षिप्त समाचार

जिला रेडक्रास सोसायटी की बैठक कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला रायसेन की वार्षिक साधारण सभा की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें जिले की प्रबंधन समिति का गठन और राज्य शाखा हेतु प्रतिनिधि के निर्वाचन की कार्यवाही की गई। साथ ही सोसायटी के माध्यम से जिले में रक्तदान शिविर, योगा शिविर, अंधत्व निवारण सहित अन्य गतिविधियां आयोजित किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री मनोज कुमार उपाध्याय सहित संबंधित अधिकारी और सोसायटी के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जा रही हैं निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले की गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान प्रसव पूर्व देखभाल के लिये प्रत्येक माह की 09 एवं 25 तारीख को जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर देखभाल एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निशुल्क लाभ प्रदान किया जा रहा है, ताकि गर्भावस्था और प्रसव के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अभियान के तहत 25 जुलाई को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 498 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 172 गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क पाई गईं। सीएमएचओ श्री सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना हैं। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को निशुल्क जाँच, दवाएं, एवं परामर्श दिया जा रहा है। अभियान के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं विशेष देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत प्रसव के समय जटिल अवस्था में उच्च चिकित्सा केन्द्रो में रेफर किया जाता है। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य जाँच के लिये निशुल्क पिक अप एवं ड्राप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर आयोजित

बैतूल (निप्र)। जिला चिकित्सालय बैतूल में सोमवार को आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ प्रीति मायवाड़े द्वारा 80 गर्भवती महिलाओ की चिकित्सकीय जांच की गई। जिसमें 28 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, शिविर में आयीं समस्त माताओं की खून की एवं जीडीएम की जांच की गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र शाहपुर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ वंदना धाकड़ द्वारा 105 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें 48 हाई रिस्क महिलाऐं पाई गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र आठनेर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ भावना कवड़कर द्वारा 116 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र भैंसदेही में डॉ व्योमा वर्मा मेडिकल आफीसर द्वारा 75 गर्भवती महिलाऐं, सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सिद्धी लश्करे द्वारा 65 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक जांचे, चिकित्सकीय परीक्षण, परामर्श और हाई रिस्क महिलाओं का उचित प्रबंधन कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवाना है जिससे मातृ एवम शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सके।

दो प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने दो प्रकरणों में जिला बदर के आदेश जारी कर दिए है। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के प्रतिवेदन पर जिन दो प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही की गई है। उनमें अनावेदक इरफान खां पुत्र असफाक खां उम्र 38 साल निवासी राजेन्द्र नगर गंजबासौदा एवं अनावेदक अकरम मंसूरी (खत्री) पिता जलाल मंसूरी उर्फ जलालुद्दीन उम्र 39 वर्ष निवासी लोहांगी मोहल्ला काली मस्जिद थाना कोतवाली विदिशा सहित पूर्व उल्लेखितों के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही का आदेश जारी हुआ है।

कलेक्टर से मिले अपना घर आश्रम ग्रुप के सदस्य

विदिशा (निप्र)। जिले को प्लास्टिक मुक्त करने की दिशा में की जा रही नवाचार और इस अभियान में सामाजिक संगठन भी आगे आकर सहयोग प्रद कर रहे हैं। अपना घर आश्रम विदिशा के सदस्यों द्वारा आज सिंगल यूज प्लास्टिक थैलियों का उपयोग ना करने के लिए पहल करते हुए मात्र एक रुपए में कपड़े के थैले विक्रय किए जाएंगे। जन जागृति हेतु इस अभियान की शुरुआत आज संगठन के सदस्यों ने कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता से उनके चेंबर में मुलाकात कर कपड़े का थैला भेंट कर की है।

इस अभियान की सार्थकता समाज में व्याप्त हो एवं लोग पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति जागृत हो के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है। संगठन के सदस्य श्री बबलू अहमद ने बताया कि इस अभियान का शुभारंभ बुधवार को विदिशा के सब्जी मंडी क्षेत्र से किया जाएगा जहां सब्जी मंडी में पहुंचने वाले नागरिकों को एक रुपए में कपड़े के थैले विक्रय किए जाएंगे , ताकि विदिशा को प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके। अपना घर आश्रम विदिशा द्वारा प्रबुद्धजनो की सेवा के साथ ही पर्यावरण क्षेत्र में भी लोगों को जागरूक करने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक थैलियों का उपयोग न करने हेतु जन जागृति अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें मात्र एक रुपए में कपड़े का बड़ा थैला दिया जाएगा, अपने दैनिक उपयोग की आवश्यकताओं में उसका उपयोग कर सकते हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान : दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों ने गांवों का भ्रमण कर तैयार किए सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र

बैतूल (निप्र)। आदि कर्मयोगी डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब प्रशिक्षण के अंतर्गत तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन मंगलवार को 7 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की निर्देशन में 88 प्रतिभागियों को दो टीमों में विभाजित कर ग्राम पंचायत बोदी जुनापानी के ग्राम बोदी जुनापानी एवं गोनीघाट में फील्ड विजिट कराया गया। दोनों टीमों ने संबंधित ग्रामों में पहुंचकर ग्रामीण जनों के साथ बैठक आयोजित की और गांव की प्राथमिक जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान ग्रामीणों की सहभागिता से सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र तैयार किया गया। तत्पश्चात् ट्रांजेक्ट वॉक के माध्यम से टीमों ने घर-घर पहुंचकर मौके पर जानकारी एकत्रित की और मानचित्र को अंतिम रूप दिया। दोपहर सत्र में पुनः ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित कर विलेज विजन प्लान तैयार किया गया।

स्कूल व छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष महोदय श्री अरविंद रघुवंशी के निर्देशन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चंद्रशेखर राठौर के मार्गदर्शन में मंगलवार को द ज़ेनर एजुकेशन सिस्टम स्कूल तथा शासकीय आदिवासी महाविद्यालय बालक छात्रावास हरदा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया साथ ही ''पंच-ज'' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे ने बताया कि बाल अधिकार जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों के अधिकारों के बारे में लोगों को शिक्षित करना और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह अभियान बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल यौन शोषण,बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए है। उन्होने बताया कि बच्चों को मौलिक अधिकार और कर्तव्य नागरिकों के अधिकारों और जिम्मेदारियों को परिभाषित करते हैं। मौलिक अधिकार, जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार आदि व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक हैं। वहीं, मौलिक कर्तव्य जैसे संविधान का पालन करना, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना, देश की रक्षा करना, नागरिकों के सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व हैं। उन्होने इस दौरान मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना के तहत पॉक्सो एक्ट, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा लैंगिक हमलों व अन्य अपराधों की पीड़िताओं सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना की जानकारी उपस्थितजनों को दी। उन्हें इस बारे में भी जागरूक किया गया कि वे किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। उन्होने बताया कि कोई भी पात्र व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर, पत्र के माध्यम से, नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर अथवा 15100 पर कॉल कर, विधिक सहायता आसानी से प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर ''पंच-ज'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राज्यपोषित नलकूप खनन योजना से बदला किसान श्री सिरनाम अहिरवार का जीवन

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के विकासखण्ड लटेरी के ग्राम बापचा के किसान श्री सिरनाम सिंह अहिरवार की जिंदगी में राज्यपोषित नलकूप खनन योजना ने नई रोशनी ला दी है। कृषक श्री सिरनाम के पास खेती योग्य भूमि तो थी, परंतु सिंचाई का साधन ना होने से उनकी फसलें प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर रहती थीं। खरीफ की फसल किसी तरह हो जाती, लेकिन रबी की फसल के लिए उन्हें किराए पर पानी लेना पड़ता था। जिससे लागत अधिक और लाभ कम होता था। कई बार जीवन-यापन के लिए उन्हें मजदूरी भी करनी पड़ती थी। इसी दौरान कृषि विस्तार अधिकारी श्री गोपाल हलेचा ने उन्हें राज्यपोषित नलकूप खनन योजना के बारे में जानकारी दी। योजना के तहत नलकूप खनन पर 25 हजार रुपए और विद्युत मोटर पंप पर 15 हजार रुपए इस प्रकार कुल 40 हजार रुपए का अनुदान प्राप्त होता है। कृषक श्री सिरनाम ने आवेदन कर योजना का लाभ लिया। नलकूप खनन में लगभग एक लाख तीस हजार रुपए की लागत आई, जिसमें से चालीस हजार का अनुदान उन्हें प्राप्त हुआ। नलकूप 130 फीट पर सफल रहा और अब उनकी भूमि को स्थायी जल स्त्रोत मिल गया। अब सिरनाम किसान वर्षभर फसल ले पा रहे हैं। खरीफ में मक्का, रबी में गेहूँ व चना तथा ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती से उन्हें 20-25 प्रतिशत अधिक उपज मिल रही है। लगभग तीस हजार रुपए की अतिरिक्त बचत हुई।अब मजदूरी करने की आवश्यकता नहीं रही। कृषक श्री सिरनाम प्रसन्न होकर बताते हैं कि नलकूप खनन से मेरी आय में वृद्धि हुई है। अब मैं पूरे वर्ष खेती कर पाता हूँ और खेती से ही मेरे जीवन में खुशहाली आई है। राज्यपोषित नलकूप खनन योजना ने कृषक श्री सिरनाम अहिरवार के जीवन में परिवर्तन लाया है। आज वे आत्मनिर्भर किसान के रूप में सामने आए हैं और अपने गाँव के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बने हैं।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने थाना सिरोंज के दो एवं थाना गंजबासौदा में दर्ज एक प्रकरण के फरार आरोपियों की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए तीन-तीन हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है।थाना सिरोंज में दर्ज दो अपराध प्रकरण क्रमांक 134/2025 के फरार आरोपी प्रमोद कुमार पुत्र ओमप्रकाश दुबे निवासी गौरी काम्पलेक्स के सामने बरेठ रोड गंजबासौदा और जुनूश पुत्र तोफिक मियां निवासी वार्ड क्रमांक 13 रोहितपुरा थाना सिरोंज जिला विदिशा की और गंजबासौदा शहर में दर्ज अपराध क्रमांक 776/2024 के फरार आरोपी समंदर उर्फ सौमेन्द्र उर्फ जगदीश गुर्जर की सूचना देने, गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए तीन-तीन हजार रूपए (प्रत्येक प्रकरण में) का इनाम घोषित किया गया है सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

समितियों के माध्यम से हो नियमित खाद वितरण : कलेक्टर सोनिया मीना

खाद की कालाबाजारी के विरुद्ध फील्ड में अधिक सक्रियता दिखाएं अधिकारीकलेक्टर ने जिले में खाद वितरण एवं मूंग भुगतान की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में कृषकों को खाद की नियमित आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित की जाए उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिए कि सहकारी समितियों के माध्यम से एनपीके/एसएसपी का उठाव सुनिश्चित कर किसानों को समय पर वितरण किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा प्राप्त खाद आवंटन का वितरण सहकारी समितियों एवं गोदामों के माध्यम से 50-50 मॉड्यूल के आधार पर ही किया जाए। इस दौरान कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि समितियों द्वारा की जा रही खाद वितरण व्यवस्था की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि इस वर्ष समितियों को कुल 4150.62 एमटी यूरिया प्राप्त हुआ है, जिसमें से 3348.18 एमटी का वितरण हो चुका है। इसी प्रकार 3552.25 एमटी सुफा में से 2055.75 एमटी का वितरण तथा

4589 एमटी एनपीके/कॉम्प्लेक्स/टीएसपी में से 1210.50 एमटी का वितरण किया जा चुका है, शेष स्टॉक समितियों के पास भंडारित है। बैठक के दौरान यह जानकारी भी दी गई की इस सप्ताह खाद की एक रैक इटारसी में लगना प्रस्तावित है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि दूरस्थ ग्रामों में क्लस्टर तैयार कर इस सप्ताह से ही किसानों को समितियों के माध्यम से खाद वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, कलेक्टर ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रियता बढ़ाने और कालाबाजारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई व्यापारी निर्धारित मूल्य से अधिक पर खाद का विक्रय न करें। बैठक में मूंग खरीदी की लंबित जांच की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों की जांच शीघ्रता से पूर्ण की जाए। उन्होंने सहकारिता विभाग को विशेष रूप से जांच प्रकरणों पर तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि शेष किसानों को मूंग खरीदी का भुगतान शीघ्र किया जाए।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत किया गया 864 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के तहत जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया। जिले में 26 अगस्त को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 623 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 241 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 132 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर बच्चों के टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, शनिवार 30 अगस्त 2025

फवाद खान-वाणी की फिल्म अबीर गुलाल जल्द होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर और पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की अबीर गुलाल की रिलीज़ डेट सामने आ गई है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन अब यह फिल्म दुनिया भर में रिलीज़ के लिए पूरी तरह तैयार है। पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की वजह से यह फिल्म भारत में रिलीज़ नहीं हो पाई थी। लेकिन मेकर्स ने नुकसान से बचने के लिए इसे 12 सितंबर को रिलीज़ करने का फैसला किया है। लेकिन यह फिल्म भारत में रिलीज़ नहीं होगी। इसे पूरी दुनिया में देखा जा सकेगा। वहीं, ट्रेलर को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।कुछ समय पहले यह भी खबर आई थी कि इस फिल्म को दुनिया भर में रिलीज़ करने की योजना बनाई जा रही है। दरअसल, पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर ने दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 में भी काम किया है। जिसके बाद यह फिल्म भारत को छोड़कर दुनिया भर में रिलीज़ हुई। साथ ही, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की। खासकर फिल्म ने पाकिस्तान में कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। अब अबीर गुलाल को लेकर भी यही फैसला लिया गया है।हाल ही में एक न्यूज़ वेबसाइट पर खबर छपी थी। जिससे पता चला कि वाणी कपूर की अबीर गुलाल 12 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज़ होगी। हालाँकि, यह फिल्म भारत में रिलीज़ नहीं होगी। वहीं, फिल्म का ट्रेलर भी 28 अगस्त यानी आज दोपहर 1 बजे आ रहा है। अब देखना होगा कि इसे यूट्यूब पर अपलोड किया जाता है या नहीं। दरअसल, फिल्म में फवाद और वाणी के किरदारों की एक कहानी दिखाई गई है। ट्रेलर में तीन गाने भी हैं। जिनमें- खलबालियाँ, जो एक क्लब एंथम है। वहीं, खुदाया इश्क और डोरियाँ शामिल हैं। तीनों ही गाने फिल्म के अलग-अलग पलों के लिए बनाए गए हैं।वाणी और फवाद के अलावा, लीजा हेडन, सोनी राजदान, फरीदा जलाल, परमीत सेठी और रिद्धि डोगरा भी फिल्म का हिस्सा हैं। इस पिक्चर का निर्देशन आरती एस बागड़ी ने किया है। वहीं, विवेक बी अग्रवाल फिल्म के निर्माता हैं। अमित त्रिवेदी ने संगीत दिया है। देखना होगा कि फिल्म को दुनिया भर में कैसा रिस्पॉन्स मिलता है।हाल ही में, सरदार जी3 ने पाकिस्तान में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। लोग फिल्म देखने के लिए पाकिस्तानी सिनेमाघरों में उमड़ पड़े। अगर पाकिस्तान की सबसे बड़ी फिल्म द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट को छोड़ दिया जाए, तो सरदार जी3 दूसरे नंबर पर है।

संजय चौधरी ने की 'हप्पू की उलटन पलटन' में वापसी

एण्डटीवी के मशहूर शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में अपनी कॉमिक टाइमिंग और प्यारे अंदाज़ से दर्शकों का दिल जीत चुके संजय चौधरी अब एक नए किरदार में नज़र आने वाले हैं। इस बार वह कमलेश के हमशक्ल जुड़वां भाई सोनू के रोल में एंट्री करेंगे। जहां कमलेश बेफिक्र और मस्तमौला है, वहीं सोनू उससे एकदम उलट सीधा-सादा, शर्मीला और मृदु-भाषी है। सोनू की ज़िंदगी में उस समय ट्विस्ट आता है जब वह हिम्मती और दबंग मलाइका (सोनल पंवार) को दिल दे बैठता है। लेकिन मलाइका, सोनू को भाव नहीं देती और अक्सर उसे नज़रअंदाज़ कर देती है। यही अनोखी कहानी दर्शकों को खूब हंसाने और गुदगुदाने वाली है।अपने नए किरदार के बारे में बताते हुए संजय चौधरी ने कहा, ''मैं दर्शकों के प्यार और सपोर्ट से बहुत खुश और भावुक हूं। जैसे ही शो की टीम ने मुझे दोबारा जोड़ने के लिए कॉल किया, मैं खुश हो गया। यह वही टीम है जिसके साथ मैंने पांच साल काम किया है और जिसने मुझे बहुत कुछ दिया है। इस बार कमलेश से बिल्कुल अलग अवतार में सोनू के रूप में वापसी करना मेरे लिए खास है। सोनू थोड़ा चंपू है-गांव की टोन में बात करता है, अंग्रेज़ी में गड़बड़ा जाता है, लेकिन उसका डांस, मासूमियत और मलाइका के साथ मज़ेदार रिश्ता दर्शकों का खूब मनोरंजन करेगा।''

कमलेश के जुड़वां भाई सोनू का किरदार निभाएंगे

गौरव खन्ना के हाथ में टिकी घरवालों के किस्मत की डोर

इस हफ्ते %बिग बॉस सीजन 19% में दर्शकों को बड़ा ड्रामा देखने को मिलेगा। फरहाना भट्ट अब तक सीक्रेट रूम में रह रही थीं और घर में वापस आने का इंतजार कर रही थीं। लेकिन अब उनकी किस्मत का फैसला एक्टर गौरव खन्ना के हाथों में होगा। आइए आपको बताते हैं कैसे। सीक्रेट रूम में रहते हुए फरहाना को बिग बॉस ने कई खास पावर्स दिए थे। इनका इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कैप्टेंसी टास्क में बसीर अली को भी एलिमिनेट किया था। अब शो में एक नया ऐप रूम लॉन्च होने वाला है, जहां कंटेस्टेंट्स को उनसे जुड़े पॉजिटिव और नेगेटिव ट्रेंड्स दिखाए जाएंगे। इस दौरान फरहाना, गौरव खन्ना को चुनती हैं, जिसके बाद उनके सामने एक बड़ा फैसला आता है। ऐप रूम में बिग बॉस गौरव खन्ना के सामने एक मुश्किल विकल्प रखते हैं कि अगर गौरव, फरहाना की घर में दोबारा एंट्री करवाते हैं, तो घर का राशन आधा कर दिया जाएगा। और अगर वह राशन चुनते हैं, तो फरहाना के वापस लौटने का मौका खत्म हो जाएगा।घर में खाने को लेकर पहले से ही झगड़े चल रहे हैं। घरवालों ने गौरव पर ज़रूरत से ज़्यादा खाना खाने का भी आरोप लगाया है। ऐसे में अगर वह फरहाना को चुनते हैं, तो पूरा घर उनके खिलाफ खड़ा हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि गौरव खन्ना, रौशन और फरहाना भट्ट में से किसे चुनते हैं। इस फैसले का उनके खेल और घर के समीकरणों, दोनों पर गहरा असर पड़ सकता है।

बिग बॉस 19 के घर में इस समय बवाल मचा हुआ है. टीवी एक्टर गौरव खन्ना लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. बिग बॉस 19 के बीते एपिसोड में तान्या मित्तल की वजह से गौरव खन्ना और कुनिका सदानंद के बीच पंगा हो गया था. बिग बॉस 19 के घर में तान्या मित्तल लाइमलाइट बटोरने की कोशिश कर रही हैं. तान्या मित्तल ने फैसला कर लिया वो %बिग बॉस 19% के गेम में आगे बढ़ने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं. बिग बॉस 19 में आते ही तान्या मित्तल ने अपनी जमकर तारीफ की थी. जिसके बाद से ही तान्या मित्तल को लोग सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे हैं. इसी बीच बिग बॉस 19 में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होने वाली है. खबर है कि ये वाइल्ड कार्ड एंट्री आते ही तान्या मित्तल को सबक सिखाने वाली है.ऐसा हम नहीं कह रहे हैं बल्कि इस हसीना ने जमाने के सामने ऐलान कर दिया है. यहां हम बात कर रहे हैं कोविड वॉरियर शिखा मल्होत्रा की जो कि असल जिंदगी में काफी बोल्ड हैं. खुद शिखा मल्होत्रा ने इस बात का खुलासा किया है कि वो बिग बॉस 19 का हिस्सा बनने वाली हैं।

महाकुंभ फेम मोनालिसा की

साउथ सिनेमा में धमाकेदार एंट्री

महाकुंभ वाली मोनालिसा तो याद ही होगी, जिसके खूबसूरत नैन नक्श पर लाखों लोग फिदा हो गए थे। कुंभ के बाद उसे बड़े पर्दे पर डेब्यू का मौका भी मिला था। अब मोनालिसा का लुक न सिर्फ बदल गया है, बल्कि वह बहुत जल्द साउथ इंडस्ट्री में धमाकेदार एंट्री करने वाली हैं। इस खबर को लेकर मीडिया में काफी समय से चर्चा थी, और अब इस पर भी मुहर लग गई है।

सोशल मीडिया सेंसेशन मोनालिसा की पहली मलयालम फिल्म का नाम नागम्मा है। फिल्म में मुख्य भूमिका में काइलाश हैं, जिन्हें 2009 में आई फिल्म नीलथामारा के लिए जाना जाता है। इस फिल्म का निर्देशन पी. बिनु वर्गीज करेंगे और इसका निर्माण जीली जॉर्ज कर रहे हैं। ह्वठ्ठस्र्तुठ्ठशह्लड्डद्वड्ड के अनुसार, नागम्मा की शूटिंग सितंबर के अंत तक शुरू होने की संभावना है। यह बिनु की पिछली फिल्म हिमुचरी के बाद का प्रोजेक्ट है, जिसमें वरिष्ठ अभिनेता शंकर मुख्य भूमिका में थे।इस फिल्म के मुहूर्त में कोची में प्रसिद्ध निर्देशक सिबी मलयिल भी मौजूद थे, जिन्होंने थानियावरथनम (1987), किरीदम (1989), डशरथम (1989), हिज़ हाइनेस अब्दुल्ला (1990), भरथम (1991), सदयम (1992), कमलादलम (1992) और चेंकोल (1993) जैसी क्लासिक फिल्मों का निर्देशन किया है।इस फिल्म से डेब्यू कर रही मोनालिसा से फैंस को काफी उम्मीदें हैं। लोग मानते हैं कि वह इस फिल्म में कोई न कोई कमाल जरूर करेंगी। फिल्म के डायरेक्टर ने भी उन्हें इसलिए चुना, क्योंकि महाकुंभ के दौरान उन्हें लोगों ने काफी पसंद किया था।बता दें, इससे पहले मोनालिसा केरल भी गई थीं, जहां उन्होंने कोझिकोड जिले में नए चेमनूर ज्वैलर्स का उद्घाटन किया। उनके आगमन की खबर सुनते ही बड़ी संख्या में लोग शो रूम के बाहर जमा हो गए। मोनी शो रूम में व्यवसाय समूह के चेयरमैन बॉबी चेमनूर के वाहन में आईं और उद्घाटन कार्यक्रम में बॉबी के साथ डांस भी किया, जिससे दर्शक काफी खुश हुए।आपको बता दें, जब प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हुआ था, तब इंदौर की रहने वाली मोनालिसा वहां माल बेचने गई थीं। लेकिन उनकी खूबसूरत आंखों पर कई लोग फिदा हो गए और धीरे-धीरे उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि लोग उनसे सेल्फी तक मांगने लगे। परेशान होकर मोनालिसा ने शिकायत भी की कि वह यहां सिर्फ माल बेचने आई थी लेकिन लोग उन्हें परेशान कर रहे हैं। लेकिन किसे पता था कि मोनालिसा की यह पॉपुलैरिटी उन्हें बड़े पर्दे की रानी तक बना सकती है।आपको बता दें कि जब मोनालिसा महाकुंभ में नजर आई थीं, तब वह सिर्फ घाघरा-चोली पहनती थीं। लेकिन वायरल होने के बाद उनका लुक पूरी तरह बदल चुका है। अब वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं, और उनके दो लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उनके मेकओवर को देखकर फैंस भी बहुत इंप्रेसिव हैं।

परम सुंदरी पहले दिन कर सकती है अच्छी ओपनिंग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर ने अपनी रोमांटिक कॉमेडी परम सुंदरी के साथ सिल्वर स्क्रीन पर कमबैक किया है. तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित इस फिल्म के ट्रेलर और गानों की वजह से पहले ही इसका काफी बज बन गया था जिसके चलते इसकी अच्छी एडवांस बुकिंग भी हुई है. जानते हैं ये फिल्म बॉक्स ऑफिस कितने करोड़ से ओपनिंग कर सकती है? साथ ही ये भी जानेंगे कि क्या से साल 2025 की टॉप 10 बॉलीवुड ओपनिंग फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो पाएगी या नहीं?

परम सुंदरी की एडवांस बुकिंग 26 अगस्त को शुरू हुई और इसके बुकिंग ऐप्स पर खूब टिकट बिक गए हैं. शुरुआती अनुमान बताते हैं कि फिल्म 7-10 करोड़ रुपये की नेट कमाई के साथ ओपनिंग कर सकती है, और अगर दर्शकों का पॉजिटिव रिस्प्न्स रहता है तो कमाई के आंकड़े बढ़ भी सकते हैं. अगर ये फिल्म डबल डिजीट में ओपनिंग करती है तो ये सिद्धार्थ मल्होत्रा ??और जाह्नवी कपूर दोनों सितारों के लिए सबसे बड़ी शुरुआत में से एक होगी. इसे देशभर में 2500 स्क्रीन्स पर बड़े स्केल पर रिलीज़ किया गया है. जिससे बॉक्स ऑफिस पर इसकी कमाई को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है.

परम सुंदरी 2025 की टॉप 10 बॉलीवुड ओपनिंग फिल्मों में शामिल हो पाएगी?

परम सुंदरी का साल की टॉप 5 बॉलीवुड ओपनिंग फिल्मों में जगह बनाना मुश्किल है. क्योंकि सिद्धार्थ मल्होत्रा ??और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को अहान पांडे और अनीत पड्डा की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली रोमांटिक फिल्म, सैयारा, को पछाड़ने के लिए 22 करोड़ की ज़रूरत होगी. हालांकि, परम सुंदरी के पास आमिर खान की सितारे ज़मीन पर और सनी देओल की जाट जैसी बॉलीवुड की बड़ी फिल्मों को पछाड़ने का मौका है. मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 2025 की टॉप 10 बॉलीवुड ओपनिंग फिल्मों में ज़रूर शामिल होगी. ये केसरी चैप्टर 2 (7.84 करोड़) को टॉप 10 से बाहर कर सकती है और 8वें या 9वें स्थान पर आ सकती है।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, शनिवार 30 अगस्त 2025

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिपः

अजीत नारायण ने देश के लिए जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में आयोजित कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष वेटलिफ्टर अजीत नारायण ने पुरुषों के 71 किलोग्राम भारवर्ग में देश के लिए गोल्ड मेडल जीता तो वहीं निरुपमा देवी सेराम ने महिलाओं की 63 किलोग्राम भारवर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

26 साल के अजीत ने कुल 317 किलोग्राम (145 किग्रा स्नैच और 172 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर पोडियम पर टॉप पोजीशन हासिल किया और इस दौरान नए रिकॉर्ड भी बनाए। अजीत ने नाइजीरिया के जोसेफ एडिडियोंग उमोआफिया को पछाड़ा जिन्होंने कुल 316 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 170 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता। एजेकील मोसेस ने कुल 290 किग्रा (135 किग्रा स्नैच और 155 किग्रा क्लीन एवं जर्क) भार उठाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 63 किग्रा वर्ग में निरुपमा ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए कुल 217 किग्रा (91 किग्रा स्नैच और 126 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

चौबीस वर्षीय निरुपमा के क्लीन एवं जर्क प्रदर्शन ने पिछले राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। कनाडा की माउड चारोन ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि कांस्य पदक नाइजीरिया की रूथ इमोलेयो अयोडेले के नाम रहा।

भारत ने जूनियर वर्ग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 71 किग्रा पुरुष तथा 63 किग्रा महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हेमंत दोइमारी (पुरुष) और बिदुस्मिता भोई (महिला) ने चैंपियनशिप में अपने-अपने भार वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर पुरुषों के 71 किग्रा वर्ग में 18 वर्षीय हेमंत ने 264 किग्रा (118 किग्रा स्नैच और 146 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण अफ्रीका के जोनाथन इवान ट्रम्बल ने 262 किग्रा (112 किग्रा स्नैच और 150 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन के साथ रजत जबकि श्रीलंका के ओडिथा थारुपथी नारायणगे ने 206 किग्रा (95 किग्रा स्नैच और 111 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं के जूनियर 63 किग्रा में 20 वर्षीय बिदुस्मिता ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए 204 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 115 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

रिटायरमेंट की अफवाहों को खारिज किया

वनडे वर्ल्ड कप जीतना मेरा सपना : मो.शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी ने अपनी रिटायरमेंट की अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। 34 साल के शमी ने साफ कहा कि जब तक उनमें खेल के प्रति जुनून और प्रेरणा बनी रहेगी, वह मैदान पर डटे रहेंगे। शमी को इंग्लैंड में एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी और 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप के लिए भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। शमी ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में शमी ने रिटायरमेंट की अफवाहों पर तीखा जवाब देते हुए कहा,अगर किसी को मुझसे दिक्कत है, तो सामने आकर बताए। मेरे रिटायर होने से किसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी? मैं किसी की जिंदगी में पत्थर क्यों बनूं कि तुम्हें मुझसे रिटायरमेंट चाहिए? जिस दिन मुझे बोरियत होगी, मैं खुद मैदान छोड़ दूंगा। आप मुझे न चुनें, न खिलाएं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं मेहनत करता रहूंगा। घरेलू क्रिकेट में भी खेलने को तैयार शमी ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका न मिले, तो वह घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, अगर आप मुझे अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं चुनते, तो मैं घरेलू क्रिकेट खेलूंगा। मैं कहीं न कहीं खेलता रहूंगा। रिटायरमेंट जैसा फैसला तब लिया जाता है, जब आपको लगे कि आप बोर हो गए हैं, जब आप सुबह 7 बजे टेस्ट मैच के लिए उठना नहीं चाहते। लेकिन मेरे लिए अभी वह वक्त नहीं आया। आप चाहें तो मैं सुबह 5 बजे भी उठकर तैयार हो जाऊंगा। ओडीआई वर्ल्ड कप जीतने का अधूरा सपना शमी ने बताया कि उनका सबसे बड़ा लक्ष्य वनडे वर्ल्ड कप जीतना है, जो उनका एकमात्र अधूरा सपना है। 2023 वर्ल्ड कप में भारत के फाइनल तक पहुंचने की याद ताजा करते हुए उन्होंने कहा,मेरा एक ही सपना बाकी है, वह है वनडे वर्ल्ड कप जीतना। 2023 में हम बहुत करीब थे। हमें भरोसा था, लेकिन नॉकआउट स्टेज में डर भी था। फैंस का उत्साह और समर्थन हमें प्रेरित करता था। शायद उस वक्त मेरी किस्मत में नहीं था, लेकिन मैं 2027 में वहां होना चाहता हूं।

फुजैराह ग्लोबल शतरंजः

विश्व जूनियर चैम्पियन प्रणव नें शीर्ष वरीय निहाल को हराया

फुजैराह ,संयुक्त अरब अमीरात, एजेंसी। में चल रहे पहले फुजैराह टूर्नामेंट का आगाज़ सनसनीखेज़ अंदाज़ में हुआ। मौजूदा विश्व जूनियर चैम्पियन भारत के प्रणव वेंकटेश ने शीर्ष वरीय और हाल ही में एशियन 2025 के रजत पदक विजेता हमवतन निहाल सारिन को मात देते हुए शानदार जीत दर्ज की।

काले मोहरो से खेल रहे निहाल सिसिलियन ओपनिंग में खेल के मध्य में लगातार दबाव झेलते रहे, जगह की कमी के कारण उनके मोहरो को खेल में सक्रिय होने में ख़ासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और ऐसे में खेल की 29वीं चाल में उनका ऊंट प्रणव के राजा की ओर फँस गया और बाजी उनके हाथ से निकलने लगी हालांकि खेल की 45वीं चाल में प्रणव की एक गलत चाल से निहाल को वापसी का मौका मिला पर वह इसे भुना नहीं पाये और 71 चाल तक चले मुक़ाबले के बाद वह बाजी हार गए ।

2700 रेटिंग के बेहद करीब निहाल के लिए यह हार बड़ा झटका है और खेल के बाद वह बेहद निराश नजर आए , पिछ्ले ही हफ्ते चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में निहाल नें प्रणव को पराजित किया था और इस तरह प्रणव नें अपनी हार का हिसाब निहाल से बराबर कर लिया है । सुपर स्टार टूर्नामेंट में कुल दुनिया के चुनिन्दा 44 खिलाड़ी भाग ले रहे है और इसकी औसत रेटिंग 2606 है जो इसे बेहद खास बनाती है और पहले दिन कई उलटफेर देखने को मिले , दूसरे वरीय भारत के रौनक साधवानी को फीडे के अलेक्सी ग्रेबनेव नें ड्रॉ पर रोका तो तीसरे वरीय अमीन तबातबाई को रोमानिया के अलेक्ज़ेंडर मोत्यलेव नें पराजित करते हुए सभी को चौंका दिया । भारत के एस एल नारायणन ने अमेरिका के जीएम सैम शेंक्लैंड से बाज़ी ड्रॉ खेली तो भारत के प्रणव आनंद नें मेज़बान यूएई के दिग्गज जीएम सलेम सालेह को रोका।

ग्रांड मास्टर प्रनेश एम ने मैक्सिको के जीएम जोस मार्टिनेज अलकांतारा के साथ अंक बाँटा। वहीं हंगरी के सनन सुज्गिरोव नें हमवतन एडम कोजक को मात देते हुए अपना पहला अंक बनाया । पहले ही दिन उलटफेर का आलम यह रहा की नौवे वरीय सनन अब पहले बोर्ड पर अपनी दूसरे राउंड की बाजी खेलेंगे तो 12 वें वरीय दूसरे बोर्ड पर 18वें वरीय अभिमन्यु मिश्रा तीसरे बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे । मतलब 18 शीर्ष खिलाड़ियो में 15 शीर्ष वरीय खिलाड़ियों को या तो हार या ड्रॉ के परिणाम ही हासिल हुए , इससे हम इस सुपर स्टार वर्ग की कड़ी प्रतिस्पर्धा का अंदाजा लगा सकते है ।

कुल मिलाकर 44 ग्रांडमास्टर्स के साथ यह टूर्नामेंट 2606 की औसत रेटिंग वाला बेहद मज़बूत आयोजन है। इसमें कुल 1,25,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि रखी गई है, जिसमें सुपरस्टार्स वर्ग के लिए 80,000 डॉलर, मास्टर्स वर्ग (2200-2599) के लिए 30,000 डॉलर और ओपन वर्ग (<2200) के लिए 15,000 डॉलर शामिल हैं। शीर्ष तीन पुरस्कार क्रमशः 23,000, 13,000 और 9,000 डॉलर हैं।

पूर्व चयनकर्ता ने दिया बयान

भारत के 2026 टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। जहां एक तरह एशिया कप को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने आगामी टी20 विश्व कप में भारत के खिताब संभावनाओं पर संदेह जताया है। श्रीकांत का मानना है कि इस टीम के साथ भारत 2026 का विश्व कप नहीं जीत पाएगा। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं, लेकिन टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। क्या आप इस टीम को विश्व कप में ले जाएंगे? क्या यह टी20 विश्व कप की तैयारी है जो मुश्किल से छह महीने दूर है? टीम में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय शुभमन गिल की उप-कप्तान के तौर पर वापसी थी जो एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 2-2 से ड्रॉ हुई सीरीज के बाद हुई। गिल ने आखिरी बार जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच खेला था। वहीं जनवरी में इंग्लैंड के साथ द्विपक्षीय सीरीज के दौरान अक्षर पटेल उप-कप्तान थे लेकिन अब उन्हें इस पद से हटा दिया गया है जो पूर्व चयनकर्ता अच्छा नहीं लगा। उन्होंने रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में शामिल करने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वे पीछे चले गए हैं। अक्षर पटेल को उप-कप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा कैसे टीम में आ गए। को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है, लेकिन लगता है कि चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है। श्रीकांत ने भारत के लिए 5वें नंबर के बल्लेबाज पर भी प्रश्न किया। उन्होंने कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से कोई एक होना चाहिए। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने दुबे को कैसे चुना। यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह क्या करते हैं।

यूएस ओपनः रैकेट तोड़ा...अंपायर से भिड़े, मेदवेदेव पर लगा लाखों रुपये का जुर्माना

न्यूयॉर्क , एजेंसी। मेदवेदेव के करियर में यह पहली बार नहीं है जब उनका गुस्सा कोर्ट पर सुर्खियां बना हो। पूर्व नंबर-एक खिलाड़ी होने के बावजूद उनकी छवि कई बार अनुशासनहीनता और विवादित बर्ताव के कारण सवालों के घेरे में रही है। रूस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और पूर्व विश्व नंबर-एक दानिल मेदवेदेव अमेरिकी ओपन 2025 के पहले दौर में हार के साथ ही विवादों में घिर गए। मैच के दौरान कोर्ट पर खेल भावना के विपरीत आचरण और गुस्से में रैकेट तोड़ने के कारण उन पर भारी जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने मेदवेदेव पर कुल 42,500 डॉलर (35.7 लाख रुपये) का दंड ठोका, जो उनकी मैच फीस 1,10,000 डॉलर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है।

गुस्से की वजह-कोर्ट पर फोटोग्राफर की मौजूदगीः घटना उस समय हुई जब मेदवेदेव अपने प्रतिद्वंद्वी फ्रांस के खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी के खिलाफ तीसरे सेट में खेल रहे थे।

बोंजी 5-4 की बढ़त पर थे तभी अचानक एक फोटोग्राफर कोर्ट के किनारे पर चलने लगा, जिससे मेदवेदेव का ध्यान भटक गया। मेदवेदेव ने तुरंत चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ से शिकायत की, लेकिन अंपायर ने फोटोग्राफर को हटाने के बाद बोंजी को फिर से पहली सर्विस की अनुमति दे दी। इसी फैसले से मेदवेदेव भड़क उठे और उन्होंने कोर्ट पर अपना गुस्सा जाहिर किया।

फोटोग्राफर की मान्यता रद्दः इस घटना के बाद चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने का आदेश दिया और उसकी मान्यता भी रद्द कर दी गई। बावजूद इसके, मेदवेदेव का गुस्सा कम नहीं हुआ और उन्होंने मैच खत्म होने के बाद अपना रैकेट तोड़कर नाराजगी जाहिर की।

जुर्माने का ब्योराः टूर्नामेंट रैफरी ने मेदवेदेव के खिलाफ दो अलग-अलग उल्लंघन दर्ज किए। 30,000 डॉलर खेल भावना के विपरीत आचरण पर और 12,500 डॉलर रैकेट तोड़ने की हरकत पर। इस तरह कुल मिलाकर उन पर 42,500 डॉलर का जुर्माना लगाया गया।

गत चैंपियन आर्यना सबालेंका तीसरे दौरे में पहुंची

न्यूयॉर्क, एजेंसी। गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन के तीसरे दौरे में जगह बना ली है। सबालेंका ने पोलिना कुडेरमेतोवा को हराकर तीसरे दौरे में जगह बनाई। सबालेंका ने दूसरे दौर के मैच में गैर-वरीयता प्राप्त पोलिना कुडेरमेतोवा को 7-6(4), 6-2 से हराया। पहले सेट में जीत के लिए सबालेंका को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन दूसरा सेट उन्होंने आसानी से जीता। दूसरे सेट में पोलिना कुडेरमेतोवा ने घुटने की चोट के इलाज के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया था। नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका अगर फाइनल में पहुंचती हैं और खिताब जीतने में सफल रहती हैं, तो सेरेना विलियम्स के बाद दूसरी खिलाड़ी बनेंगी। सेरेना ने 2012 से 2014 तक लगातार तीन बार यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीता था। सबालेंका का अगला मुकाबला 31वीं वरीयता प्राप्त कनाडाई खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज से होगा, जिन्होंने फ्रांस की एल्सा जैक्वेमोट को 6-2, 3-6, 6-2 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में दूसरे दौर के मुकाबले में गैर-वरीयता प्राप्त अमेरिकी इवा जोविक को 6-3, 6-3 से हराया।

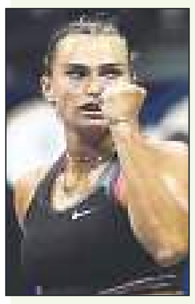

पीकेएल 2025: प्रो कबड्डी में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में तूफानी शतक ठोकने वाले राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब प्रो कबड्डी में एंट्री करने जा रहे हैं. 14 साल के इस खिलाड़ी ने IPL 2025 के बाद इंग्लैंड में अपनी बल्लेबाजी का कमाल दिखाया और इंग्लिश गेंदबाजों की खूब पिटाई की. अब उन्हें प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन में बुलाया गया है. जो बड़े कमाल की बात है. प्रो कबड्डी लीग 2025 की शुरुआत विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में नेशनल स्पोर्ट्स डे के मौके पर 29 अगस्त से होने जा रही है. इसका आगाज अंडर-19 टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी करेंगे. इस दौरान कई खेलों के पूर्व खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगे.

प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन का आगाज बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद, पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै, कबड्डी सुपरस्टार प्रदीप नरवाल और टीम इंडिया के अंडर-19 टीम के ओपनर वैभव सूर्यवंशी करेंगे. वैभव सूर्यवंशी ने इस पर खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि नेशनल स्पोर्ट्स डे मुझे याद दिलाता है कि कैसे खेल सभी को एक साथ लाते हैं. खेल आपको टीम वर्क, अनुशासन सिखाता है. मैं राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर अपने को भाग्यशाली मानता हूं. मुझे उम्मीद है कि मेरे जैसे और भी बच्चे खेलना शुरू करेंगे और खुद पर विश्वास करेंगे.

पीवी सिंधु की दमदार वापसी, विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार 27 अगस्त 2025 की रात मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी। अब उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झि यि से होगा।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के यांग पो हान और लियू कुआंग हेंग को 22-20, 21-13 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस 16वीं वरीय भारतीय जोड़ी का सामना हॉन्गकॉन्ग के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। सिंधु मंगलवार को पहले दौर के मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ कुछ मुश्किलों से जूझ रही थीं। लेत्शाना के खिलाफ भी पीवी सिंधु को लय हासिल करने में दिक्कत हुई। वह शुरू में मलेशियाई खिलाड़ी को दबाव में नहीं ला सकीं और पिछड़ती रहीं। पर अंत में

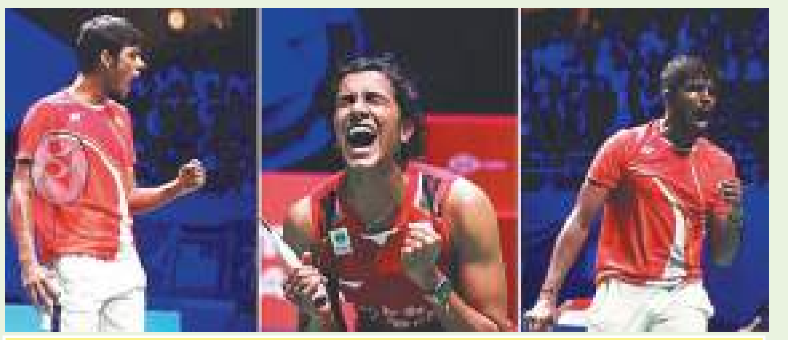

सात्विक-चिराग और ध्रुव-तनीषा ने भी दिखाया जलवा

वापसी करने में सफल रहीं। लेत्शाना आक्रामक शुरुआत की जिससे सिंधु 1-4 से पीछे हो गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने दबदबा कायम रखते हुए अपने 'डाउन-द-लाइन स्मैश' और तेज 'नेट प्ले' से ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। तकनीकी और शारीरिक रूप से मजबूत लेत्शाना के आक्रामक खेल ने सिंधु की अनिरंतरता को उजागर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी पिछड़ती रहीं। मलेशिया की खिलाड़ी 18-12 के स्कोर पर नियंत्रण बनाए थीं। पर यहीं सिंधु ने वापसी की। उन्होंने लगातार छह अंक बनाकर स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया जिसमें लेत्शाना की एक गलती का भी उन्हें फायदा मिला। मलेशियाई खिलाड़ी दबाव में एक स्मैश वाइड कर बैठीं।

फिर सिंधु ने 19-19 के स्कोर पर संयम बनाए रखा और एक बेहतरीन स्मैश लगाकर 'गेम पॉइंट' हासिल किया। मैच में पहली बार सिंधु आगे निकलीं। भारतीय खिलाड़ी ने बैकलाइन पर लेत्शाना की कमजोर प्रतिक्रिया से अंक हासिल किया। उन्होंने फिर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के एक और शॉट को लंबा भेजने से गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने फिर दूसरे गेम में भी यही लय जारी रखते हुए 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ी को अपनी गति बनाए रखने में मुश्किल हो रही थी जिससे सिंधु 7-3 के बाद 9-5 से आगे हो गईं। हालांकि, बैकलाइन पर सिंधु कुछ गलतियां भी कर बैठीं, पर एक नेट कॉर्ड विनर से वह 10-6 से आगे हो लीं।

इसके बाद पीवी सिंधु पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं। उनके स्मैश में विविधता से मलेशियाई खिलाड़ी परेशान हो गईं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सात मैच पॉइंट हासिल कर लिए और फिर मलेशियाई खिलाड़ी के गलत फोरहैंड से मैच जीत लिया। पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपनी आक्रामक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए बैककोर्ट से कुछ जबरदस्त स्मैश लगाए।

जस्टिस बीवी नागरत्ना की असहमति के कारणों को जानने का जनता को अधिकार : पूर्व जज

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉलेजियम में जस्टिस बी वी नागरत्ना की कड़ी असहमति के बावजूद पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विपुल पंचोली को पदोन्नति दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अभय एस ओका ने कहा है कि इस मामले में जस्टिस बीवी नागरत्ना की असहमति के कारणों को जानने का जनता को अधिकार है। इस साल मई में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए जस्टिस ओका ने इस बात पर भी सहमति जताई कि कॉलेजियम की मीटिंग में जस्टिस पंचोली पर जस्टिस नागरत्ना की असहमति का विवरण भी रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना चाहिए था। उड़ीसा हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एस मुरलीधर द्वारा संपादित पुस्तक (इन) कम्प्लीट जस्टिस द सुप्रीम कोर्ट एट 75 के विमोचन के अवसर पर जस्टिस ओका ने वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि अगर कॉलेजियम में एक भी सहमति है तो उस पर गौर किया जाना चाहिए।

इंदिरा जयसिंह ने पूछे थे सवाल

जयसिंह ने जस्टिस मुरलीधर और जस्टिस ओका और राजनीतिक विज्ञानी गोपाल गुरु वाले पैनल से कॉलेजियम की कार्यप्रणाली के बारे में पूछा, जो गोपनीयता में काम करता है और वह ऐसे समय में भारत के भावी प्रधान न्यायाधीशों के चयन के मानदंड के बारे में जानना चाहती थीं, जब उच्चतम न्यायालय की एकमात्र महिला न्यायाधीश द्वारा असहमति जताई गई है।

पारदर्शिता और गोपनीयता में संतुलन भी जरूरी

जयसिंह के सवालों का जवाब देते हुए जस्टिस ओका ने कहा, आप सही कह रही हैं कि एक जज ने असहमति जताई है। हमें यह जानना चाहिए कि वह असहमति क्या है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। आपको यह आलोचना करने का हक़ है कि वह असहमति सार्वजनिक क्यों नहीं हुई। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि असहमति का खुलासा तो होना ही चाहिए, लेकिन कॉलेजियम की कार्यवाही में पूरी पारदर्शिता को पदोन्नति के लिए विचार किए जाने वाले वकीलों की गोपनीयता के साथ संतुलित किया जाना चाहिए, जिनमें से कई चयनित न होने पर वकालत की प्रैक्टिस में लौट जाते हैं।

जस्टिस नागरत्ना की असहमति क्या?

सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति नागरत्ना ने पंचोली की अपेक्षाकृत कम वरिष्ठता, जुलाई 2023 में गुजरात से पटना उच्च न्यायालय में उनके स्थानांतरण पर सवाल और उच्चतम न्यायालय में प्रतिनिधित्व में क्षेत्रीय असंतुलन की चिंताओं का हवाला देते हुए सिफारिश का विरोध किया था। अब जस्टिस पंचोली अगर सुप्रीम कोर्ट में जज बनते हैं तो जस्टिस जॉयमाल्या बागची की सेवानिवृत्ति के बाद अक्टूबर 2031 में वह देश के प्रधान न्यायाधीश बनने की दौड़ में शामिल हो जाएंगे।

वकीलों की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है

जस्टिस ओका ने कहा, यह सवाल बेहद चिंताजनक है, लेकिन मैं कहता रहा हूं कि हमें पारदर्शिता को परिभाषित करना होगा। ओका ने स्पष्ट किया कि यदि कॉलेजियम के विचार-विमर्श और विवरण को सार्वजनिक किया जाता है, तो इससे उन वकीलों की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है, जिन्होंने कॉलेजियम द्वारा विचार किए जाने के लिए सहमति दी है। उन्होंने कहा, अगर कॉलेजियम 10 या 15 वकीलों पर विचार करता है, जिनमें से 10 मामलों पर विचार किया जाता है और पांच की सिफ़ारिश नहीं की जाती, तो क्या हमें उन लोगों की निजता की चिंता नहीं है जिन्होंने स्वेच्छा से सहमति दी है? उन्हें वापस जाकर वकालत करनी होगी।

कॉलेजियम ने की थी दो नामों की सिफारिश

उन्होंने कहा कि एक बार जब ये मामले सार्वजनिक हो जाते हैं, तो इन व्यक्तियों का पिछले तीन वर्षों का वेतन भी सार्वजनिक हो जाता है। उन्होंने कहा, इसलिए हमें इसे गोपनीयता के साथ संतुलित करना होगा। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई की अध्यक्षता वाले पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने 25 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस विपुल पंचोली के नामों की पदोन्नति के लिए सिफ़ारिश की थी, जिसे केंद्र सरकार ने बुधवार को मंजूर कर लिया।

विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी बोले - संविधान की रक्षा के लिए हर संभव कोशिश करूंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी सीपीआई (एम) नेताओं से मिलने के लिए पार्टी के दफ्तर पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि अवसर मिलने पर मैं भारत के संविधान की रक्षा के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। मैं सीपीआईएम के अमूल्य समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए इंडिया अलायंस ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि एनडीए की ओर से महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के राज्यपाल रहे सीपी राधाकृष्णन को चुना गया है। भले ही आंकड़ें एनडीए के पक्ष में हो, लेकिन विपक्ष भी अपना साझा उम्मीदवार खड़ा करके चुनाव को दिलचस्प और रोचक बनाने में लग गया है। इसी के चलते बी सुदर्शन रेड्डी और सीपी राधाकृष्णन तमाम दलों के नेताओं से मिलकर उनका समर्थन मांग रहे हैं। बीते दिन समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वी. सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात की और कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि न्याय और संवैधानिक मूल्यों की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि संविधान, कानून और लोगों के अधिकारों की रक्षा में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के लंबे कार्यकाल ने उन्हें इस उच्च संवैधानिक पद के लिए सर्वोत्तम विकल्प बनाया है। उन्होंने भाजपा पर उपराष्ट्रपति पद को एक विशेष विचारधारा से जोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसा दृष्टिकोण राष्ट्रीय हित के विरुद्ध है।

बी सुदर्शन रेड्डी ने मंगलवार को कहा था कि वह आभारी हैं कि जो लोग इंडिया गठबंधन में नहीं हैं, वे भी उनकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। रेड्डी ने सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों से दलगत भावना से ऊपर उठकर योग्यता और सिद्धांत के आधार पर उनकी उम्मीदवारी पर विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा, आप जानते ही हैं कि विपक्ष ने मुझ पर भरोसा किया है और मुझे उम्मीदवार के रूप में चुना गया है। मैं बहुत आभारी हूं कि न केवल इंडिया गठबंधन, बल्कि गठबंधन से बाहर के लोग भी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। लेकिन मेरे मित्र अखिलेश यादव के बिना यह संभव नहीं होता।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप टैरिफ पर मोहन भागवत का भी सख्त संदेश- दबाव में नहीं होने चाहिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

नागपुर, एजेंसी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को ट्रंप के टैरिफ पर सख्त संदेश देते हुए कहा है कि अंतराष्ट्रीय व्यापार दबाव से नहीं, बल्कि स्वेच्छा से होने चाहिए। इस दौरान भागवत ने आत्मनिर्भता पर भी जोर दिया है। भागवत ने कहा है कि आज के दौर में आत्मनिर्भरता का मतलब दूसरों से रिश्ते पूरी तरह खत्म कर लेना नहीं हो सकता और अंतराष्ट्रीय व्यापार भी जरूरी है। हालांकि संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार किसी दबाव में नहीं किए जाने चाहिए। मोहन भागवत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका बुधवार से भारत से आयातित उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ वसूलने जा रहा है। भागवत विज्ञान भवन में 100 वर्ष की संघ यात्राः नए क्षितिज विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, अपना देश हर तरह आत्मनिर्भर होना चाहिए। इसकी शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए। जब स्वदेशी की बात करते हैं तो लगता है कि विदेशियों से संबंध नहीं रहेंगे। ऐसा नहीं है। आत्मनिर्भर होना यानि बाकी लोगों को बंद करना नहीं है। आत्मनिर्भर होना है लेकिन दुनिया परस्पर निर्भरता पर चलती है। भागवत ने आगे कहा, और इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तो चलेगा और उसमें लेनदेन होगी। बस इसमें दबाव नहीं होना चाहिए, स्वेच्छा होनी चाहिए। और इसीलिए स्वदेशी का पालन करना चाहिए। भागवत ने कहा कि स्वदेशी का मतलब यही है कि जो चीजें घर में बनती है उसे बाहर से ना लाया जाए। उन्होंने कहा, गर्मी के दिनों में आप नींबू की शिकंजी बनाकर पी सकते हैं तो कोका कोला क्यों लाना? घर में अच्छा और पौष्टिक भोजन मिलता है, फिर हर इतवार को बाहर जाकर पिज्जा क्यों खाना?

बांग्लादेशी कट्टरपंथी संगठन जेएमबी के संपर्क में रहने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दिसपुर, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि धुबरी जिले के कई निवासियों के फोन नंबर कट्टरपंथी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को कथित तौर पर उपलब्ध कराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जेएमबी यहां राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गिरफ्तार किया गया व्यक्ति एक भारतीय नागरिक है और वह जेएमबी को फोन नंबर मुहैया कराने वाला मुख्य माध्यम था। फोन नंबर उपलब्ध हो जाने के बाद जेएमबी के सदस्य उन लोगों को कट्टरपंथी बनाने के इरादे से फोन किया करते थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति अली हुसैन बेपारी को पहले भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वह जमानत पर बाहर था। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की सीमा से लगे धुबरी और दक्षिण सलमारा जिलों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''दक्षिण सलमारा पिछले पांच सालों से शांतिपूर्ण रहा है, लेकिन हाल के दिनों में धुबरी में कई गतिविधियां हुई हैं। इसलिए कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता जताते हुए हमने दुर्गापूजा के दौरान रात में देखते ही गोली मारने के आदेश जारी रखने का फैसला किया है।'' एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि योजना आयोग की पूर्व सदस्य सईदा हामिद के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी। हामिद ने कहा था कि बांग्लादेशी भी यहां रह सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर मैं प्राथमिकी दर्ज करा दूं, तो वह केस लड़ने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से चंदा इकट्ठा करेंगी। इससे उन्हें सिर्फ़ फ़ायदा ही होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वह असम वापस आती हैं तो राज्य सरकार कानून के अनुसार जो भी करना होगा, करेगी। राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के संबंध में शर्मा ने आरोप लगाया कि 'असम के लोगों के साथ धोखा हुआ है, क्योंकि सूची में कई विसंगतियां हैं और कई संदिग्ध प्रविष्टियां हैं।

नरेंद्र मोदी ने संभाला वरना सारा गुजरात जल जाता: पूर्व सांसद तरलोचन सिंह

2002 के दंगों पर सिख नेता का बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। सिख मामलों के जानकार और पूर्व राज्यसभा सांसद तरलोचन सिंह ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान नरेंद्र मोदी की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने एएनआई से बातचीत में कहा कि यह दंगा साबरमती एक्सप्रेस अग्निकांड से उपजे गुस्सा का नतीजा था और इसे नरेंद्र मोदी ने अच्छे से संभाला वरना पूरा गुजरात ही जल जाता। उन्होंने कहा कि ट्रेन में जिंदा जले लोगों के परिजन उनके शवों को अपने गांव ले जाना चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने उनका अंतिम संस्कार वहीं करा दिया। तरलोचन सिंह ने कहा कि यदि ये शव उनके गांवों में पहुंचते तो सोचिए कि कितना गुस्सा लोगों का भड़कता और पूरा गुजरात ही जल जाता, लेकिन नरेंद्र मोदी ने साहस दिखाया और ऐसा नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि 2002 का दंगा जनता के गुस्से का परिणाम था, उसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं थी।

बता दें कि 2002 में गुजरात दंगों के दौरान नरेंद्र मोदी गुजरात के सीएम हुआ करते थे। उस दंगे को लेकर उन पर भी कांग्रेस की ओर से आरोप लगाए जाते रहे हैं। 2002 के दंगों के दौरान तरलोचन सिंह अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि गुजरात का दंगा दिल्ली में हुए 1984 के दंगों की तरह सरकार प्रायोजित नहीं था। उन्होंने कहा कि 2002 में मैं अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष था। तरलोचन सिंह ने कहा कि घटना होने के बाद सबसे पहले पहुंचने वाले लोगों में मैं था। मैंने उसके बारे में पूछताछ की। कोई उसके बारे में नहीं जानता था। मैं 2000 में अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन बना था और गुजरात दंगा 2002 में हुआ। मैंने गुजरात दंगे पर एक बुकलेट भी लिखी है। उन्होंने कहा कि यह बुकलेट छपी भी थी और नरेंद्र मोदी ने इसकी 500 कॉपियां बटवाई थीं। मैंने गुजरात दंगों से दिल्ली के सिख दंगों की तुलना की थी। मैंने कहा था कि दिल्ली का दंगा सरकार प्रायोजित था, लेकिन गुजरात का दंगा जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति थी।

भारतीयों को सभी अमेरिकन कंपनियों का बहिष्कार करना चाहिए: बाबा रामदेव

नोएडा, एजेंसी। योग गुरु बाबा रामदेव ने अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ के प्रभावी होने के बाद बुधवार को देशवासियों से एक बड़ी अपील की। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को भी अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए टैरिफ का कड़ा विरोध करना चाहिए। भारतीय नागरिकों को अमेरिकी कंपनियों और ब्रांड्स का बहिष्कार करना चाहिए। यदि भारत के लोगों ने ऐसा कि तो अमेरिका में महंगाई इतनी बढ़ जाएगी कि खुद उसे ये टैरिफ वापस लेने पड़ सकते हैं।

देशवासी करें यह काम तो अमेरिका में हाहाकार : रामदेव ने कहा- अमेरिका ने एक गुंडागर्दी या तानाशाही के तहत भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ लगाए हैं, उसका भारत के सभी नागरिकों की ओर से भी पुरजोर विरोध किया जाना चाहिए। भारतीयों को सभी अमेरिकन कंपनियों का बहिष्कार करना चाहिए। अमेरिकी कंपनियों के काउंटरों पर एक भी भारतीय दिखना नहीं चाहिए। ऐसा जोरदार बहिष्कार किया जाना चाहिए। एकबार ऐसा किया जो अमेरिका में हाहाकार मच जाएगा।

ट्रंप को वापस लेना पड़ जाएगा टैरिफ : रामदेव ने आगे कहा कि अमेरिकी कंपनियों के बहिष्कार से अमेरिका में भी महंगाई इस कदर बढ़ जाएगी कि ट्रंप को खुद ही ये टैरिफ वापस लेना पड़ जाएगा। जहां तक सवाल चुनौतियों का है तो चुनौतियां नया मौका भी देती हैं। भारत को पहल कर के जो भी बाकी देश हैं उनके साथ व्यापार को बढ़ाना चाहिए। अमेरिकी टैरिफ से जो भी रोजगार का नुकसान होगा उसके लिए रोजगार के नए अवसर तलाशे जाने चाहिए।

पैदा करने होंगे रोजगार के नए अवसर

रामदेव कहा कि हमें नए रोजगार के अवसर पैदा करने चाहिए। भारत सरकार को कारोबारियों को भी टैक्स और जीएसटी में छूट देनी चाहिए ताकि वे अपना अस्तित्व कायम रख सकें। मुझे पूरा भरोसा है कि भारत इस चुनौति से और मजबूत बन कर उभरेगा। भारत, चीन, रूस और मध्य पूर्व के अन्य देश और यूरोप के कुछ मिलकर नए वर्ल्ड ऑर्डर बनाएंगे जिससे डॉलर का मुकाबला किया जा सकेगा।

ज्तो आधी रह जाएगी डॉलर की कीमत

रामदेव ने दावा किया कि जिस दिन भारत, चीन, रूस और मध्य पूर्व के अन्य देश और यूरोप के कुछ मिलकर एकजुट हो गए, उस दिन डॉलर आधी कीमत का रह जाएगा। अमेरिका का टैरिफ भारत के लिए चुनौती और अवसर दोनों है। रामदेव ने कहा कि जब चीन मजबूती से खड़ा हुआ तब ट्रंप को टैरिफ वापस लेना पड़ा। भारत भी कोई कमजोर मुल्क नहीं है। भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

छत्तीसगढ़ में एकसाथ 30 नक्सलियों ने डाले हथियार, इनमें से 20 पर घोषित था कुल 81 लाख रुपए का इनाम

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को बुधवार को उस वक्त बड़ी कामयाबी मिली जब एकसाथ 30 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, इनमें से 20 पर कुल 81 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि हथियार डालने वाले माओवादियों में नौ महिलाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी इस बारे में सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर करते हुए इस सफलता के लिए केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के साथ ही सुरक्षाबलों को श्रेय दिया। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 10 लाख रुपए का इनामी एक नक्सली दंपति भी शामिल है, जिसमें से पति सोनू हेमला उर्फ ??कोरोटी (38) पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वह नक्सलियों की संभागीय समिति का सदस्य और माओवादियों के केके उप-विभागीय ब्यूरो का प्रभारी था और 2003 से सक्रिय था। जबकि उसकी पत्नी सुकड़ी गावड़े पर 2 लाख रुपए का इनाम घोषित था। सरेंडर करने वाले अन्य नक्सलियों की पहचान प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य के दो सदस्य कल्लू

पुनेम (28) और कोसी कुंजम (28), दो पार्टी सदस्य मोती पुनेम (25) और पांडे पुनेम (25) तथा एक पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कैडर छोटू कुंजम (19) के रूप में हुई है, इन सभी पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा हथियार डालने वाले दो नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपए का इनाम था, जबकि नौ अन्य पर 2-2 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले दो अन्य नक्सलियों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था।

इसके साथ ही इस साल बीजापुर जिले में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़कर 307 हो गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पूना मारगेम से शांति और विकास की ओर अग्रसर बस्तर, आज बीजापुर में 81 लाख रुपए के 20 इनामी समेत 30 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आत्मसमर्पण हमारी सरकार की नवीन पुनर्वास नीति, नियद नेल्ला नार योजना और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई का परिणाम है।' आगे उन्होंने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने बस्तर के लोगों का विश्वास जीता है, उसी का परिणाम है कि लगातार माओवादी संगठन कमजोर हो रहे हैं और बड़ी संख्या में वे हिंसा का रास्ता छोड़ रहे हैं। बस्तर अंचल में नक्सलवाद कमजोर हो रहा है और बस्तर तेजी से शांति और विकास की ओर बढ़ रहा है।

हमारी डबल इंजन की सरकार मार्च 2026 तक देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। सरेंडर करने की वजह बताते हुए पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने दावा किया कि नक्सलियों ने खोखली माओवादी विचारधारा, आदिवासियों पर अत्याचार और आंतरिक कलह से मोहभंग होने के बाद आत्मसमर्पण किया। साथ ही पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडर राज्य सरकार की नियाद नेल्लनार (आपका अच्छा गांव) योजना और राज्य सरकार की नई आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से भी प्रभावित थे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, बस्तर पुलिस ने हथियार डालने वाले नक्सलियों के लिए पूना मारगेम (सामाजिक पुनर्मिलन हेतु पुनर्वास) नामक पुनर्वास पहल शुरू की है।

जम्मू में भारी बारिश से झेलम एक्सप्रेस सहित तीन ट्रेनें कैंसिल

आगरा, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर और पंजाब में मूसलाधार बारिश से बिगड़े हालातों का असर ट्रेनों पर भी पड़ा है। बुधवार को आगरा की ओर से पंजाब और जम्मू-कश्मीर जाने वाली तीन ट्रेनों को रेलवे ने निरस्त कर दिया। आधा दर्जन ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया। इन ट्रेनों के अलावा पंजाब और जम्मू-कश्मीर जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में पांच हजार से ज्यादा यात्रियों ने रिजर्वेशन कैंसिल कराए हैं। बीते कुछ दिनों से जम्मू रीजन में मूसलाधार बारिश हो रही है। बुधवार को तो बारिश ने जम्मू में 52 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मंगलवार को माता वैष्णो देवी भवन मार्ग पर भूस्खलन और फिर 31 लोगों की मौत की खबर के बाद यात्राएं निरस्त होने लगीं। जम्मू और आसपास के क्षेत्रों में हो रही बारिश ने ट्रेनों के पहिए थाम दिए हैं। बुधवार को रेलवे ने पुणे-जम्मू तवी झेलम एक्सप्रेस, कोटा जं.-उधमपुर एक्सप्रेस, चेन्नई- श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस को निरस्त कर दिया। एक तरफ रेलवे ने ट्रेनों को निरस्त किया, दूसरी तरफ आफत की बारिश के चलते किसी हादसे का शिकार होने से बचने के लिए मंगलवार-बुधवार को जम्मू की तरफ जाने वाली ट्रेनों में पांच हजार से अधिक रिजर्वेशन कैंसिल कराए गए। आगरा कैंट स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में बैठे यात्री। ट्रेन निरस्त होने के कारण लोगों को परेशानी हुई।।गरा रेल मंडल की पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया भारी बारिश के चलते रेलवे ने तिरुनेवली जं.-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस को दिल्ली जं.स्टेशन पर, पुणे-जम्मूतवी झेलम एक्सप्रेस को अंबाला जं. स्टेशन पर, चेन्नई सेंट्रल-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस को हजरत निजामुद्दीन पर, दुर्ग- शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर एक्सप्रेस को हजरत निजामुद्दीन पर, डॉ. आंबेडकर नगर-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस को नई दिल्ली स्टेशन पर ही खत्म कर दिया।

हिमाचल में दो सितंबर तक भारी बारिश का येलो अलर्ट, 582 सड़कें व 2 एनएच बंद

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश के बाद बुधवार को मौसम खुलने से लोगों ने राहत की सांस ली। राजधानी शिमला समेत कई इलाकों में धूप खिली, हालांकि दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और हल्की बारिश हुई। बीते 24 घंटों में भारी बारिश में कमी आई है। चंबा में सर्वाधिक 50 मिलीमीटर, धर्मशाला व जोत में 40-40 मिलीमीटर, केलांग, चुआरी व नैना देवी में 30-30 मिलीमीटर और पालमपुर, गग्गल, बिलासपुर, अंब व करसोग में 20-20 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

दो सितंबर तक खराब रहेगा मौसम: मौसम विभाग ने आगामी दो सितंबर तक प्रदेश में मौसम खराब रहने की चेतावनी दी है। 28 अगस्त को उना, हमीरपुर, मंडी, शिमला व सिरमौर जिलों में मेघगर्जन व बिजली गिरने के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया

गया है। 29 अगस्त को उना, बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। 30 व 31 अगस्त को चंबा, कांगड़ा और मंडी में अलर्ट रहेगा, जबकि पहली व दो सितंबर को भी प्रदेश के अधिकांश इलाकों में येलो अलर्ट जारी रहेगा।

युद्धस्तर पर जारी राहत व बचाव कार्य : बारिश से प्रभावित जिलों कुल्लू, मंडी, चंबा और कांगड़ा में राहत कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार बुधवार शाम तक प्रदेश में भूस्खलन और मलबा आने से 2 नेशनल हाइवे और 582 सड़कें बंद हैं। मंडी जिले में सबसे अधिक 258, कुल्लू में 166, कांगड़ा में 65, शिमला में 31, सिरमौर में 17, उना में 21, सोलन में 13 और बिलासपुर में 7 सड़कें ठप हैं। कुल्लू में एनएच-305 और मंडी में एनएच-3 बंद पड़े हैं। बारिश से बिजली व पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। प्रदेश में 1155 ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं, जिनमें कुल्लू के 841 और मंडी के 295 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। 346 पेयजल योजनाएं भी बाधित हुई हैं, जिनमें कांगड़ा की 92, कुल्लू की 88, मंडी की 64, हमीरपुर की 41 और शिमला की 35 योजनाएं प्रभावित हैं।

राज्य में अबतक 310 लोगों की मौत

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मॉनसून सीजन में अब तक हिमाचल में 310 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 38 लोग लापता और 369 घायल हुए हैं। जिला अनुसार देखें तो मंडी में 51, कांगड़ा में 49, चंबा में 36, शिमला व किन्नौर में 28-28, कुल्लू में 26, सोलन में 21, ऊना में 18, हमीरपुर में 16, बिलासपुर में 15, सिरमौर में 14 और लाहौल-स्पीति में 8 लोगों की जान गई है। प्रदेश में अब तक 3519 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 747 पूरी तरह ढह गए हैं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 1535 मकान प्रभावित हुए, जिनमें 504 पूरी तरह गिर गए। इसके अलावा पूरे प्रदेश में 481 दुकानें और 3192 पशुशालाएं भी तबाह हो गई हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)